17 अगस्त 2025
रविवार

# केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

स्वतंत्रता दिवस पर विकास की झलक बक्सर जिला कई योजनाओं में अव्वल

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

# एनसीईआरटी : जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन भारत-पाक विभाजन का जिम्मेदार

- एनसीईआरटी का नया मॉड्यूल जारी

**एजेंसी/नई दिल्ली**

अगर छात्र भारत-पाकिस्तान विभाजन के इतिहास को बेहतर तरीके से समझना चाहते हैं, तो अब उन्हें यह जानकारी एनसीईआरटी के एक नए मॉड्यूल के जरिए मिलेगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर विशेष मॉड्यूल जारी किया है। इस मॉड्यूल में बताया गया है कि विभाजन के लिए मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस मॉड्यूल को ह्यविभाजन के अपराधी शीर्षक दिया गया है और इसे कक्षा 6 से 8 और कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए अलग-अलग रूप में तैयार किया गया है। हालांकि, यह किसी भी कक्षा की पाठ्यपुस्तक का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह पूरक शैक्षिक सामग्री के तौर पर पेश किया गया है, जिसे पोस्टर, वाद-विवाद, प्रोजेक्ट्स और चचाओं के माध्यम से बच्चों को सिखाया जाएगा। सरदार वल्लभभाई पटेल ने उस समय की स्थिति को विस्फोटक बताया और कहा कि गृहयुद्ध की तुलना में देश का विभाजन बेहतर था। वहीं महात्मा गांधी ने विभाजन का विरोध किया। लेकिन हिंसा के जरिए कांग्रेस के फैसले का विरोध नहीं करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वे विभाजन में भागीदार नहीं बनना चाहते, लेकिन हिंसा से भी कांग्रेस को रोकना उचित नहीं समझते थे। मध्यम स्तर के मॉड्यूल में इस बात पर जोर दिया गया है कि विभाजन ष्अपरिहार्यष् नहीं बल्कि षालत विचारोंष् का परिणाम था। पटेल ने इसे ष्कड़वी दवाष् कहा, जबकि नेहरू ने इसे ष्बुराष् लेकिन ष्अपरिहार्यष् माना। दूसरे चरण के मॉड्यूल में मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सोच को विभाजन का मुख्य कारण बताया गया है। यह विचारधारा गैर-मुसलमानों के साथ स्थायी समानता को स्वीकार नहीं करती थी। इसी विचारधारा ने पाकिस्तान आंदोलन को प्रेरित किया, जिसका नेतृत्व मुहम्मद अली जिन्ना ने किया। एनसीईआरटी ने कक्षा 6 से 12 के लिए भारत-पाकिस्तान बंटवारे पर नया मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है। कांग्रेस ने इसे पक्षपातपूर्ण कहा कि जबकि भाजपा नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा कि बच्चों को बंटवारे की सच्चाई जाननी चाहिए। इतिहासकारों ने भी इसे स्वतंत्रता के बाद की सबसे बड़ी त्रासदी बताया, जिसमें लाखों लोग मारे गए और करोड़ों विस्थापित हुए। एनसीईआरटी ने कक्षा 6 से 12 तक के लिए भारत-पाकिस्तान बंटवारे पर दो विशेष मॉड्यूल जारी किए हैं। इसमें जिम्मेदारी मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन पर डाली गई है। इसमें बंटवारे को अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी बताया गया है, जिसमें करीब 1.5 करोड़ लोग विस्थापित हुए और 12-15 लाख लोगों की हत्या हुई।

### कश्मीर विभाजन के बाद उभरी नई समस्या

मॉड्यूल में बताया गया है कि भारत-पाक विभाजन के बाद कश्मीर एक नई चुनौती बनकर सामने आया, जो भारत की विदेश नीति के लिए कठिनाइयां लेकर आया। इसके साथ ही कुछ देशों ने पाकिस्तान का समर्थन किया और कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाते रहे।

### तीन प्रमुख जिम्मेदाररू जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन

एनसीईआरटी द्वारा जारी मॉड्यूल में भारत-पाक विभाजन के लिए तीन प्रमुख शख्सियतों को जिम्मेदार ठहराया गया है- मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन। मॉड्यूल के मुताबिक, जिन्ना ने विभाजन की मांग की, कांग्रेस ने इसे स्वीकार किया और माउंटबेटन ने इसे लागू किया। इसके साथ ही इसमें पंडित जवाहरलाल नेहरू का जुलाई 1947 में दिया गया एक एतिहासिक भाषण भी शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि विभाजन बुरा है, लेकिन एकता की कीमत चाहे जो भी हो, गृहयुद्ध की कीमत उससे कहीं ज्यादा होगी। यह उद्धरण उस समय की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को स्पष्ट रूप से दशार्ता है, जब देश कठिन फैसलों के मोड़ पर खड़ा था।

### इतिहास के अनछुए पहलुओं को शामिल किया गया

मॉड्यूल में बताया गया है कि विभाजन के दौरान करीब 6 लाख लोग मारे गए और 1.5 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए। ये तथ्य अक्सर स्कूली किताबों में पूरी तरह नहीं बताए जाते थे। इसके अलावा, मॉड्यूल में यह भी बताया गया है कि विभाजन ने देश की एकता को खंडित किया, पंजाब और बंगाल की अर्थव्यवस्था को तबाह किया और जम्मू-कश्मीर को सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता की ओर धकेला, जो आगे चलकर आतंकवाद का कारण बना। मॉड्यूल के अनुसार, भारत का विभाजन गलत विचारों के कारण हुआ। 1940 में मुस्लिम लीग ने लाहौर सम्मेलन में यह कहा कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक परंपराओं से जुड़े हैं। इस सोच ने विभाजन की मांग को बल दिया।

## लाल किला से पीएम मोदी ने घोषणा, युवाओं को दी सौगात

# एक लाख करोड़ की रोजगार योजना आज से लागू : मोदी

- जीएसटी से टैक्स व्यवस्था का किया जाएगा रिव्यू
- विकसित भारत रोजगार योजना की शुरूआत की
- दो वर्ष में 99,446 करोड़ रुपये की इस योजना से खर्च करने का लक्ष्य

**एजेंसी/नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से पीएम विकसित भारत रोजगार योजना की शुरूआत की। 1 लाख करोड़ की इस योजना से 3.5 करोड़ युवाओं को रोजगार और पहली नौकरी पर 15,000 रुपये मिलेंगे। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की शुरूआत की है। 99,446 करोड़ रुपये की इस योजना का लक्ष्य अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ रोजगार सृजित करना है। जिसमें 1.92 करोड़ लोग पहली बार कार्यबल में शामिल होंगे। योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को 15,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जो दो किश्तों में उनके आधार-लिंक्ड बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए ट्रांसफर होगी। पीएम मोदी ने कहा कि यह योजना युवाओं को आर्थिक मजबूती और स्किल डेवलपमेंट का अवसर देगी। ताकि वे 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करें। योजना दो हिस्सों में बंटी है। पहले भाग में पहली बार नौकरी करने वालों के लिए है। दूसरे भाग में नियोक्ताओं के लिए। भाग एक के तहत, पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को, जिनकी मासिक सैलरी 1 लाख रुपये तक है।

### नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया क्रिटिकल मिनरल को लेकर सतर्क हो गया है। हमारे लिए भी क्रिटिकल मिनरल्स में आत्मनिर्भरता अनिवार्य है। रक्षा, तकनीक, आदि क्षेत्रों में क्रिटिकल मिनरल्स की काफी बड़ी भूमिका है। इसलिए नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन हमने लॉन्च किया है। 1200 से अधिक स्थानों पर खोज का अभियान चल रहा है। हम क्रिटिकल मिनरल्स की दिशा में भी आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है।

### मेड इन इंडिया जेट इंजन

पीएम मोदी ने कहा कि भारत आधुनिक ईकोसिस्टम तैयार कर रहा है। हर क्षेत्र में यह ईकोसिस्टम देश को आत्मनिर्भर बनाएगा। आज मेरा देश के युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, और सरकार के सभी विभागों से आह्वान है कि क्या हमारा अपना मेड इन इंडिया फाइटर जेट्स के लिए जेट इंजन हमारा होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए।

### मेड इन इंडिया जेट इंजन टास्क फोर्स गठन

पीएम मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी के सुधार के लिए हमने एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय लिया है। वर्तमान नीतियां 21वीं सदी और वर्तमान वातावरण के अनुकूल तैयार हो। उसका समयबद्ध तरीके से काम हो इसके लिए हमने टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स सभी तरह के उद्योगों के लिए काम आसान बनाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने पीएम धनधान्य कृषि योजना को आरंभ किया है। हमने ऐसे 100 जिलों की पहचान की है, जहां खेती कमजोर है।

# पश्चिम बंगाल के बर्दवान में भीषण सड़क हादसा, बिहार के 10 तीर्थयात्रियों की मौत

**एजेंसी। कोलकाता**

पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान में 15 अगस्त की सुबह एनएच-19 पर तेज रफ्तार बस के खड़े ट्रैक्टर से टकराने से बिहार के 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है जबकि 35 के घायल हुए है। मिली जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर नाला फेरी घाट के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार निजी बस सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। इस बस में

बिहार के तीर्थयात्री सवार थे। इस भीषण टक्कर में 10 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि 35 अन्य घायल हो गए हैं। बस में कुल 45 यात्री सवार थे, जिनमें 5 बच्चे भी शामिल थे। सभी यात्री बिहार के रहने वाले थे और गंगा स्नान के बाद दुगार्पुर की ओर लौट रहे थे। इस हादसे ने बिहार के कई गांवों में शोक की लहर दौड़ा दी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोग और पुलिस तुरंत राहत-बचाव कार्य में जुट गए। क्रेन की मदद से बस को ट्रैक्टर से अलग किया गया और फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल बर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कइयों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

## भारत लौट रहे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, बोले

# जीवन गाड़ी है, समय पहिया

**एजेंसी/नई दिल्ली**

लंबे इंतजार के बाद भारत के लिए यह गर्व का क्षण है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला स्वदेश लौट रहे हैं। विमान से भारत वापसी के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।शुभांशु ने लिखा, भारत लौटते हुए मेरे दिल में भावनाओं का सैलाब उमड़ रहा है। पिछले एक साल में जो साथी मेरे लिए परिवार बन गए, उन्हें छोड़ना कठिन है। लेकिन इसी के साथ अपने देश, अपने दोस्तों और परिवार से मिलने की उत्सुकता भी है। शायद यही जीवन है सब कुछ एक साथ महसूस करना।उन्होंने आगे लिखा कि इस मिशन के दौरान और उसके बाद उन्हें अपार प्रेम और समर्थन मिला है। अब मैं इंतजार नहीं कर सकता कि भारत लौटकर अपने अनुभव आप सभी से साझा कर सकूं। विदाई हमेशा कठिन होती है, लेकिन जीवन में आगे बढ़ते रहना ही जरूरी है। अपने कमांडर पेगी व्हिटसन का जिक्र करते हुए शुभांशु ने कहा, जैसा मेरी कमांडर @astro_peggy हमेशा कहती हैं स्पेसफ्लाइट में एकमात्र स्थिर चीज बदलाव है। मुझे लगता है कि यह जीवन पर भी लागू होती है।

## बीएसएफ ग्रुप बी और सी कर्मचारियों के लिए पहली कैडर समीक्षा को मंजूरी

# राष्ट्रपति व राज्यपालों के लिए नहीं करें समय सीमा तय: सुप्रीम कोर्ट

**एजेंसी/नई दिल्ली**

सरकार ने राष्ट्रपति और राज्यपालों पर विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा थोपने के खिलाफ चेतावनी दी है। केंद्र सरकार ने चेताया कि इससे देश में सांविधानिक अराजकता पैदा हो सकती है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अप्रैल में अपने एक निर्देश में विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीने और राज्यपालों

के लिए एक महीने की समय-सीमा निर्धारित की थी ताकि विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय हो सके। सुप्रीम कोर्ट संविधान में संशोधन नहीं कर सकता है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक लिखित निवेदन में कहा कि ऐसी समय-सीमाएं तय करना ऐसा है, जैसा सरकार के किसी अंग द्वारा उन शक्तियों का हड़पना, जो उसमें निहित नहीं हैं। इससे संविधान में उल्लेखित शक्तियों का पृथक्करण बिगड़ सकता है। सरकार ने चेतावनी दी कि इससे सांविधानिक अराजकता पैदा होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपने निवेदन में कहा, श्अनुच्छेद 142 में निहित अपनी असाधारण शक्तियों के बावजूद भी, सुप्रीम कोर्ट संविधान में संशोधन नहीं कर सकता या संविधान निमार्ताओं की मंशा को विफल नहीं कर सकता।

राज्यपाल जैसे उच्च पदों से अधीनस्थों जैसा व्यवहार ठीक नहीं

तुषार मेहता ने माना कि मौजूदा प्रक्रिया में कार्यान्वयन में कुछ सीमित समस्याएं हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि राज्यपाल जैसे उच्च पद पर बैठे लोगों से अधिनस्थ जैसा व्यवहार किया जाए। मेहता ने कहा राज्यपाल और राष्ट्रपति के पद राजनीतिक रूप से पूर्ण हैं और लोकतांत्रिक प्रशासन के उच्च आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कथित चूक का समाधान राजनीतिक और सांविधानिक तंत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए, न कि अवांछित न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए।

**टुड़ीगंज बाजार जाते समय संदिग्ध युवकों ने हिप्नोटाइज कर दिया घटना को अंजाम, सीसीटीवी फुटेज से पुलिस कर रही छानबीन**

# कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में महिला से लाखों के गहने और नकदी की ठगी



**केटी न्यूज/डुमरांव**

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव में शनिवार को घटी एक अजीबोगरीब घटना ने इलाके के लोगों को हतप्रभ कर दिया। बताया जाता है कि कठार गांव निवासी तेज प्रकाश सिंह की पत्नी फूल कुमारी देवी को दो संदिग्ध युवकों ने रास्ते में किसी अज्ञात विधि से हिप्नोटाइज कर लिया और उनसे करीब तीन लाख रुपए मूल्य के गहने तथा नकद पांच हजार रुपए ठग लिए। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, फूल कुमारी देवी सुबह करीब 11 बजे टुड़ीगंज बाजार जाने के लिए घर से निकली थीं। जब वह कृष्णाब्रह्म चौक पर पहुंचीं, तभी दो अज्ञात युवक उनके पीछे-पीछे चलने लगे। आरोप है कि युवकों ने उन्हें बातचीत या किसी अन्य तकनीक से हिप्नोटाइज कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने होश खो दिया। इसी अवस्था में उन्होंने अपने शरीर से पहने सभी गहने उतारकर एक बैग में रख दिए। बैग में गहनों के अलावा पांच हजार रुपए नकद भी थे। पीड़िता ने बताया कि कब अचानक दोनों युवक बैग लेकर फरार हो गए, इसका उन्हें अहसास तक नहीं हुआ। थोड़ी देर बाद जब उन्हें होश आया, तब देखा कि बैग गायब है और उनके सारे गहने तथा नकदी लुट चुके हैं। घबराई हुई महिला ने किसी तरह घर पहुंचकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही परिवारजन तत्काल कृष्णाब्रह्म थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। थानाध्यक्ष चंचल महथा ने बताया कि पीड़िता की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। शुरूआती जांच में दो संदिग्ध युवकों की गतिविधियां कैमरे में दर्ज पाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि उनकी पहचान की जा रही है और शीघ्र गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में इस प्रकार की घटना पहली बार सामने आई है। लोगों का मानना है कि यदि वास्तव में हिप्नोटाइज करके यह वारदात की गई है तो यह बेहद चौंकाने वाला मामला है। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। खासकर महिलाएं बाजार या अन्यत्र अकेले जाने से हिचक रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवकों का पीछा किया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आरोपी आसपास के ही किसी इलाके के हो सकते हैं।

# स्वतंत्रता दिवस पर विकास की झलक बक्सर जिला कई योजनाओं में अव्वल



**केटी न्यूज/बक्सर**

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 15 अगस्त 2025 को बक्सर जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कारगिल शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इसके बाद किला मैदान में उन्होंने ध्वजारोहण किया तथा परेड का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने जिले में लागू विभिन्न सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

**राजस्व विभाग में बक्सर चौथे स्थान पर**

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि दाखिल-खारिज से जुड़े 1,99,857 आवेदनों में से 98.56 प्रतिशत मामलों का निष्पादन किया गया है। परिमार्जन प्लस के तहत 23,611 आवेदनों में से लगभग 90 प्रतिशत निस्तारित हुए हैं। अभियान बसेरा-2 के अंतर्गत 2707 लाभुकों में से 2413 को पर्चा वितरण की प्रक्रिया चल रही है।

राज्य सरकार द्वारा राजस्व महाअभियान की शुरूआत की जा रही है, जिसके अंतर्गत घर-घर जाकर जमीन से संबंधित दस्तावेजों की अशुद्धियों का सुधार किया जाएगा। यह अभियान 21 सितंबर से 30 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।

**लोक सेवा में लगातार अव्वल**

लोक सेवा अधिकार अधिनियम, 2011 के अंतर्गत बक्सर जिले ने लगातार नौवीं बार पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब तक 72.89 लाख आवेदनों में से 72.68 लाख का निपटारा किया जा चुका है।

**उद्योग एवं रोजगार में प्रगति**

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत बीते वर्ष 125 लाभार्थियों को सहायता मिली है। लघु उद्यमी योजना में अब तक 790 लाभुक चयनित किए गए। जिले में लेदर वुड्स, मशरूम उत्पादन, मधु प्रसंस्करण, वस्त्र निर्माण और कंबल निर्माण जैसे पांच क्लस्टरों को विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 539 लाभुकों को 369 लाख रुपये वितरित किए गए हैं।

**पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट और गली-नाली योजना**

मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत जिले के 19231 सोलर स्ट्रीट लाइट्स का अधिष्ठापन कर दिया गया है। इस उपलब्धि के लिए बक्सर को जून और जुलाई 2025 में पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। गली-नाली और पेयजल योजनाओं में भी जिले ने लक्ष्य हासिल किया है। पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं।

**सामाजिक सुरक्षा और पेंशनधारियों को राहत**

जिले में पेंशन राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गई है। हाल ही में मुख्यमंत्री के द्वारा 21 करोड़ 16 लाख रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभुकों के खातों में भेजी गई।

**स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा**

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बक्सर जिले के 6.96 लाख से अधिक लाभुकों का कार्ड बन चुका है। वहीं, जन वितरण प्रणाली के तहत 10.35 लाख लाभुकों को प्रत्येक माह मुफ्त अनाज मिल रहा है।

**अल्पसंख्यक, कल्याण एवं आपदा प्रबंधन**

अल्पसंख्यक कल्याण योजना के तहत 220 विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान में 591 कैम्प लगाकर 33 हजार से अधिक आवेदनों का निस्तारण हुआ है। वहीं, आपदा राहत के तहत सड़क दुर्घटना, डूबने, अग्निकांड एवं वज्रपात से प्रभावित 125 लाभुकों को करीब तीन करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि दी गई है।

**नगर विकास और भवन निर्माण**

पांचों नगर निकायों में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, नल-जल, सड़क-नाली, सीसीटीवी, पार्क निर्माण जैसी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। साथ ही बक्सर में 620 क्षमता वाले अटल कला भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

**खेल प्रतिभाओं की पहचान**

खेल विभाग की ओर से मशाल प्रतियोगिता आयोजित कर 800 खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। सभी पंचायतों में खेल क्लब का गठन किया जा रहा है ताकि ग्रामीण स्तर से प्रतिभाओं को आगे बढ़ाया जा सके।

**निर्वाचन और सर्वेक्षण कार्य**

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 12.64 लाख आंकी गई है। दावा-आपत्तियों की प्रक्रिया के बाद 30 सितंबर को अंतिम सूची प्रकाशित होगी। साथ ही विशेष सर्वेक्षण व बंदोबस्त कार्य भी तेजी से जारी है।

## 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर जिले में आन-बान और शान से लहराया तिरंगा



**केटी न्यूज/बक्सर**

शुक्रवार को देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान जिलेभर में राष्ट्रध्वज तिरंगा आन-बान-शान से लहराया। लोगों ने तिरंगा फहरा तथा राष्ट्रगान गाकर देश की आजादी को अच्छूण रखने की शपथ खाई।

मुख्य समारोह किला मैदान पर आयोजित हुआ। जहां एसपी शुभम आर्य की मौजूदगी में डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने तिरंगा लहरा मार्च पास्र्ट की सलामी ली। इस दौरान पुलिस के जवानों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के वोलंटियर तथा विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने परेड में भाग लिया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने समाहरणालय परिसर में जबकि एसपी ने एसपी ने अपने कार्यालय में झंडोतोलन किया। इसके अलावे डुमरांव अनुमंडल में भी बड़े ही उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय त्योहार मनाया गया। मुख्य समारोह राज हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित किया गया था, जहां एसडीएम राकेश कुमार ने झंडोतोलन कर मार्च पास्ट की सलामी ली। अपने संबोधन में एसडीए ने अनुमंडलवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं को गिनवाया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो आकर्षण का केन्द्र बना।

## शहीदों के सम्मान में आयोजित हुआ राजकीय समारोह

- शहीद दिवस पर शहीदों को किया गया याद, जनप्रतिनिधि सहित जिला प्रशासन रहा मौजूद

भारत को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले डुमरांव के अमर शहीद कपिलमुनि, गोपाल जी, रामदास सोनार और रामदास लोहार की बलिदान स्थानीय लोगों के लिए गौरवपूर्ण है। 16 अगस्त शहीद दिवस शहरवासियों के जोश और उत्साह का दिन है। युवाओं के इस एहसास के साथ पूरा बिहार आगे बढ़ रहा है। शनिवार को शहीद दिवस पर आयोजित राजकीय समारोह को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के लिए शहीद होने वाले अमर सेनानियों पर नाज है। उनके भाव को अपने जीवन मे पूरी तरह उतारे तभी उन वीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस दौरान जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी सहित शहरवासियों ने शहीद पार्क में स्थापित शहीदों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। क्रांतिकारी शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें नमन किया गया। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि जिस विरासत को हमारे शहीदों ने सौंपा हैं, उसका विकास हो और भविष्य सुधरे इस पर काम करने की जरूरत हैं। आजादी के दीवानों ने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्हीं की बदौलत आज हम आजाद भारत में खुली सांस ले रहे हैं। वहीं एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने वाले स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों को हम भूल नहीं सकते। उनकी आत्मा को तभी शांति मिलेगी जब आजाद भारत के लोग सुख-शांति से रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान विधायक व जिला प्रशासन ने शहीद के परिजनों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का संचालन सोनू राय ने किया। इस दौरान डीएसपी पोलस्त कुमार, बीडीओ संदीप पांडेय, शहीद स्मारक समिति के संयोजक संजय चंद्रवंशी, गोपाल गुप्ता, शंभू चंद्रवंशी, राजेश चंद्रवंशी, दिलीप चंद्रवंशी सहित अन्य उपस्थित थे।


# शहीदों के सम्मान में आयोजित हुआ राजकीय समारोह

- शहीद दिवस पर शहीदों को किया गया याद, जनप्रतिनिधि सहित जिला प्रशासन रहा मौजूद

**केटी न्यूज/डुमरांव**

भारत को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले डुमरांव के अमर शहीद कपिलमुनि, गोपाल जी, रामदास सोनार और रामदास लोहार की बलिदान स्थानीय लोगों के लिए गौरवपूर्ण है। 16 अगस्त शहीद दिवस शहरवासियों के जोश और उत्साह का दिन है। युवाओं के इस एहसास के साथ पूरा बिहार आगे बढ़ रहा है। शनिवार को शहीद दिवस पर आयोजित राजकीय समारोह को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के लिए शहीद होने वाले अमर सेनानियों पर नाज है। उनके भाव को अपने जीवन मे पूरी तरह उतारे तभी उन वीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस दौरान जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी सहित शहरवासियों ने शहीद पार्क में स्थापित शहीदों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। क्रांतिकारी शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें नमन किया गया। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि जिस विरासत को हमारे शहीदों ने सौंपा हैं, उसका विकास हो और भविष्य सुधरे इस पर काम करने की जरूरत हैं। आजादी के दीवानों ने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्हीं की बदौलत आज हम आजाद भारत में खुली सांस ले रहे हैं। वहीं एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराने वाले स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों को हम भूल नहीं सकते। उनकी आत्मा को तभी शांति मिलेगी जब आजाद भारत के लोग सुख-शांति से रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान विधायक व जिला प्रशासन ने शहीद के परिजनों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का संचालन सोनू राय ने किया। इस दौरान डीएसपी पोलस्त कुमार, बीडीओ संदीप पांडेय, शहीद स्मारक समिति के संयोजक संजय चंद्रवंशी, गोपाल गुप्ता, शंभू चंद्रवंशी, राजेश चंद्रवंशी, दिलीप चंद्रवंशी सहित अन्य उपस्थित थे।




**एक नजर**

## कृष्ण जन्माष्टमी पर सरस्वती विद्या मंदिर सोनवर्षा में छात्रों ने प्रस्तुत की मनमोहक झांकी



**नावानगर।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर सोनवर्षा में शनिवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रकाश चंद्र राय ने की, जबकि उद्घाटन विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ साह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, रासलीला और माखन चोरी की झांकी प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छोटे-छोटे कृष्ण और राधा के रूप में बच्चों का अभिनय दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में भजन, नृत्य और संवाद प्रस्तुति के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया गया। विद्यालय परिसर में सजावट और धार्मिक माहौल ने पूरे आयोजन को और भी भव्य बना दिया। मंच संचालन विद्यालय के दो छात्रा ने किया, जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों और समिति सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक प्रकाश चंद्र राय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। विद्यालय अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ साह ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी हमें सत्य, धर्म और प्रेम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। पूरे आयोजन में ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे वातावरण उल्लास और भक्ति से भर गया। मौके पर चौधरी सुदामा सिंह, विश्वकर्मा शर्मा, मृत्युंजय ओझा, पिंकू पाठक समेत विद्यालय के शिक्षा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## कोरानसराय पुलिस ने बरामद किया शराब की खेप

**डुमरांव।** कोरानसराय पुलिस ने शुक्रवार की रात गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के मठिला नट टोली के समीप से 15 लीटर देशी शराब बरामद किया है। हलांकि, तस्कर पुलिस को चकमा दे फरार हो गया है। पुलिस ने उसकी पहचान कर ली है तथा उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करा, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इस संबंध में कोरानसराय के प्रभारी थानाध्यक्ष स्वाति कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मठिला नटटोली में एक तस्कर अपने घर से शराब की तस्करी कर रहा है। इस सूचना पर तत्काल एक पुलिस टीम भेज छापेमारी करवाई गई। इस दौरान मौके से 15 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि तस्कर की शिनाख्त कर ली गई है, उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

## बाइक की टक्कर से वृद्ध महिला घायल

**केसठ ।** प्रखंड के केसठ गांव स्थित पुराना बाजार पोस्ट ऑफिस के समीप शनिवार को बाइक की चपेट में आने से एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला की पहचान 55 वर्षीय कमला देवी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कमला देवी जैसे ही अपने घर से बाहर निकलीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही बाइक ने उन्हें धक्का मार दिया। हादसे में वे बुरी तरह जख्मी हो गईं। घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें स्थानीय निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आए दिन लापरवाही से गाड़ी चलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोग भयभीत हैं।


कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ० वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ० अरुण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवानी मोड़, डुमराँव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरिज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24×7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर


सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

## वेतन भुगतान में भी ताबड़तोड़ प्रक्रिया कर किया गया वेतन भुगतान, जिला लोक शिकायत में दर्ज हुआ परिवाद

# तथाकथित दलाल पर मेहरबान शिक्षा विभाग, नियम ताक पर, शिक्षिका पत्नी को निलंबन से मिली राहत

- निलंबन तोड़ने के लिए नहीं हुई नियोजन इकाई की बैठक, अकेले बीडीओ ने लिया फैसला
- ऐसे शिक्षक वर्षों से निलंबन या सेवांत लाभ जैसी प्रक्रियाओं के लिए विभागीय दफ्तरों का काट रहे चक्कर

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर जिले के शिक्षा विभाग और सिमरी प्रखंड नियोजन इकाई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला शिक्षा विभाग के तथाकथित दलाल अजय सिंह की शिक्षिका पत्नी शोभा कुमारी से जुड़ा है, जिनका निलंबन नियमों को ताक पर रखकर तोड़ दिया गया और अगले ही दिन उन्हें वेतन भुगतान भी कर दिया गया। यह ताबड़तोड़ कार्रवाई उस समय हुई, जब जिले में कई ऐसे शिक्षक वर्षों से निलंबन या सेवांत लाभ जैसी प्रक्रियाओं के लिए विभागीय दफ्तरों का चक्कर काट रहे हैं।इस बात का खुलासा सिमरी प्रखंड के तिलक राय के हाता गांव निवासी आजाद कुमार गिरी तथा तवकल राय के डेरा गांव निवासी हरिकृष्ण यादव द्वारा जिला लोक शिकायत में दर्ज कराए गए परिवाद से हुआ है। दोनों ने लोक शिकायत में परिवाद दायर कर शिक्षिका के नियम विरुद्ध निलंबन मुक्त करने तथा वेतन भुगतान की जांच की मांग की है।

### निरीक्षण में बंद मिला था विद्यालय

बता दें कि शोभा कुमारी का मूल पदस्थापन मध्य विद्यालय कठार में है, जबकि उनकी प्रतिनियुक्ति नवसृजित प्राथमिक विद्यालय दिया परमेश्वर मठिया में की गई थी। 16 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन स्थापना डीपीओ मो. शारिक अशरफ ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण सुबह 9 .45 बजे हुआ और तब तक विद्यालय बंद मिला था। डीपीओ की जांच प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी ने 22 अक्टूबर 2023 को आदेश जारी कर शोभा कुमारी और विद्यालय की प्रभारी नीलम देवी दोनों को निलंबित करने की अनुशंसा की। इसके आलोक में प्रखंड नियोजन इकाई सिमरी की बैठक हुई और दोनों शिक्षिकाओं का निलंबन प्रभावी किया गया।

### नियमों की अनदेखी, बिना बैठक के निलंबन खत्म

लेकिन शिक्षिका शोभा कुमारी के निलंबनमुक्त किए जाने से मामला दिलचस्प मोड़ लेता है। 30 मई 2025 को सिमरी बीडीओ ने ज्ञापांक 726 जारी कर शोभा कुमारी का निलंबन खत्म करने और उन्हें विभागीय कार्रवाई से मुक्त करने का आदेश दिया। इतना ही नहीं, अगले ही दिन उन्हें मूल विद्यालय मध्य विद्यालय कठार में योगदान देने का निर्देश भी दिया गया। पंचायत शिक्षक नियमावली के अनुसार, निलंबन तोड़ने जैसे निर्णय प्रखंड नियोजन इकाई की बैठक से ही संभव हैं। यदि प्रखंड प्रमुख का पद रिक्त है तो उप प्रमुख की अध्यक्षता में बैठक कराई जाती है। नियम यह भी कहते हैं कि बैठक बुलाने के लिए प्रमुख या उप प्रमुख को कम से कम तीन बार पत्राचार करना जरूरी है। लेकिन इस पूरे प्रकरण में कोई बैठक बुलाए बिना और उप प्रमुख से परामर्श किए बिना ही बीडीओ ने निर्णय ले लिया।

**निलंबित शिक्षिका का वेतन भुगतान प्रखंड से आई अपसेंटी के आधार पर की गई थी। मोबाईल ऐप पर एक ही फोटो से हाजिरी बनाया जाना, जांच का विषय है। सोमवार को कार्यालय आकर डाटा देखने के बाद ही इस विषय पर कुछ कहा जा सकता है। ऐसे फजीर्वाड़ा साबित होने पर नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।**

**विष्णुकांत राय, डीपीओ, स्थापना, बक्सर**

### वेतन भुगतान में भी ताबड़तोड़ कार्रवाई

सिर्फ निलंबन तोड़ने तक ही बात नहीं रुकी। शिक्षिका को निलंबनमुक्त करने के अगले ही दिन निलंबन अवधि का वेतन भुगतान भी कर दिया गया। सामान्यत: निलंबन अवधि का वेतन भुगतान लंबी प्रक्रिया से गुजरता है, जिसमें विभागीय जांच और सत्यापन शामिल होता है। लेकिन इस मामले में शिक्षा विभाग ने रिकॉर्ड गति से वेतन भुगतान कर यह साफ कर दिया कि शोभा कुमारी को विशेष लाभ दिया जा रहा है।

### मोबाइल ऐप हाजिरी में गड़बड़ी का खुलासा

मामले की एक और परत तब खुली जब शिक्षिका की निलंबन अवधि की हाजिरी जांची गई। पता चला कि उन्होंने विभागीय मोबाइल एप पर हर दिन एक ही फोटो अपलोड कर उपस्थिति दर्ज कराई। इसका मतलब है कि हाजिरी केवल औपचारिकता रही और वास्तविक उपस्थिति की पुष्टि कभी नहीं हुई। इसके बावजूद विभाग ने बिना जांच किए ही उनका पूरा वेतन जारी कर दिया। इसने विभाग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं विभागीय सूत्रों कि मानें तो निलंबन के दौरा शिक्षिका मैडम को सिमरी बीआरसी में प्रतिदिन उन्हें आकर हाजरी बनाना था। परन्तु वो किसी दिन नही आती थी। इसका प्रमाण ऑनलाइन हाजरी से मिला।

### उप प्रमुख ने जताई अनभिज्ञता

पूरे मामले में जब सिमरी प्रखंड के उप प्रमुख चंदन कुंवर से संपर्क किया गया तो उन्होंने साफ कहा कि उन्हें निलंबन समाप्त करने की कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीडीओ ने न तो उनसे बैठक बुलाने को लेकर संपर्क किया और न ही किसी प्रकार की जानकारी साझा की। उप प्रमुख ने चेतावनी दी कि यह मुद्दा आगामी बीस सूत्री समिति की बैठक में उठाया जाएगा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बीडीओ ने किन परिस्थितियों में अकेले इतना बड़ा निर्णय लिया।

### चर्चा का विषय बना विभागीय रवैया

एक तरफ जिले के कई शिक्षक निलंबन, सेवांत लाभ या एसीपी जैसी सामान्य प्रक्रियाओं के लिए महीनों तक विभागीय दफ्तरों के चक्कर काटते रहते हैं, वहीं दूसरी ओर एक विशेष मामले में इतनी तेजी से कार्रवाई होना शिक्षकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। शिक्षा विभाग और सिमरी बीडीओ की इस कार्रवाई ने यह संदेश दिया है कि नियम-कानून केवल कागज पर हैं और विभागीय अधिकारियों की ह्लमेहरबानीह्व तय करती है कि किसे राहत मिलेगी और किसे परेशान होना पड़ेगा।

### सवालों के घेरे में विभाग और बीडीओ

इस पूरे प्रकरण में कई सवाल उठ रहे है। सवाल है कि बिना बैठक बुलाए निलंबन तोड़ने का अधिकार बीडीओ को कैसे मिला। उप प्रमुख को दरकिनार कर अकेले निर्णय लेने की मंशा क्या थी। मोबाइल एप पर फर्जी हाजिरी की जांच किए बिना वेतन क्यों जारी किया गया। विभाग के अन्य शिक्षकों के मामलों में महीनों की देरी और इस प्रकरण में चुटकियों में कार्रवाई, क्या यह पक्षपात नहीं है।

### शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठ रहे है सवाल

यह पूरा मामला शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाता है। जिस पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा शिक्षा व्यवस्था से की जाती है, वही यहां गायब दिख रही है। नियमों को ताक पर रखकर की गई यह कार्रवाई न केवल विभागीय व्यवस्था पर अविश्वास पैदा करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि शिक्षा तंत्र में प्रभाव और दबाव ही निर्णायक कारक बन चुके हैं। वहीं, इस प्रकरण से विभागीय अधिकारियों व नियोजन इकाई के बीच तथाकथित दलाल के मजबूत पैठ के प्रमाण भी मिल रहे है। इस संबंध में सिमरी बीडीओ से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन काट दिया, जिससे उनका पक्ष नहीं लिया जा सका। जबकि सिमरी बीईओ त्रिलोकीनाथ पांडेय ने बताया कि उनके उपस्थिति के आधार पर अपसेंटी भेजी गई थी।

# नंदोत्सव में डूबा डुमरांव, बांके बिहारी मंदिर में गूंजे भजन-कीर्तन

## राजगढ़ परिसर में हजारों श्रद्धालुओं ने आधी रात को किया कृष्ण जन्म का साक्षात्कार

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव की पावन धरा शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उल्लास में सराबोर रही। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के राजगढ़ स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर में देर रात तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता रहा। पूरा राजगढ़ परिसर ह्लनंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्व जैसे जयघोष से गूंज उठा।

**आकर्षक साज-सज्जा और दिव्य झांकी**

जन्माष्टमी को लेकर बांके बिहारी मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मंदिर प्रांगण में रंग-बिरंगी झालरों, विद्युत बल्बों और पुष्पों से सजावट की गई थी। वहीं, मंदिर में बांके बिहारी ( कृष्ण ) की मनमोहक झांकी ने श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचा। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झलक पाने के लिए शाम से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने फूल, माखन-मिश्री और तुलसीदल अर्पित कर अपने आराध्य को नमन किया।

**भजन-कीर्तन से गूंजा राजगढ़ परिसर**

पूरे दिन से आरंभ हुआ पूजन-अर्चन और भजन-कीर्तन का क्रम मध्य रात्रि तक चलता रहा। महिला-पुरुष मंडलियों द्वारा गाए जा रहे मंगलगीत और कृष्ण भजनों ने वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया। ढोल-मंजीरे और करतल की ध्वनियों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा।

**आधी रात का वह अलौकिक क्षण**

जैसे ही घड़ी ने रात के बारह बजाए, वातावरण में अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का प्रतीक वह क्षण श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था। नंद घर आनंद भयो... जैसे पारंपरिक गीतों के बीच भक्त भावविभोर हो उठे। महिलाएं मंगलगीत गाती रहीं तो वहीं पुरुष भक्त ह्लहरे कृष्ण-हरे रामह्व का जयघोष कर रहे थे।

### परंपरा का निर्वाह और प्रसाद वितरण

मध्यरात्रि के बाद जन्मोत्सव की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भगवान को झूला झुलाने और आरती करने की परंपरा का निर्वहन किया गया। इसके बाद मंदिर प्रांगण में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। व्रत रखे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ा और देर रात तक भजन-कीर्तन में लीन रहे।

### सदियों पुरानी आस्था से जुड़ा पर्व

राजगढ़ स्थित बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव की परंपरा सदियों से चली आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, डुमरांव राज परिवार के समय से यहां भव्य तरीके से जन्मोत्सव मनाया जाता रहा है। यही कारण है कि हर वर्ष जन्माष्टमी के मौके पर आसपास के गांवों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। वहीं, खास यह कि इस आयोजन में राज परिवार भी शामिल होता है।

### आस्था और उल्लास का संगम

डुमरांव में कृष्ण जन्माष्टमी का यह पर्व केवल धार्मिक आयोजन भर नहीं, बल्कि आस्था और उल्लास का अनूठा संगम है। बच्चे जहां राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नजर आए, वहीं बुजुर्ग भक्त भी घंटों मंदिर में बैठकर भजन-कीर्तन का आनंद लेते दिखे। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी का यह उत्सव न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश भी देता रहा। श्रद्धालुओं के लिए यह रात यादगार रही, जब उन्होंने सामूहिक रूप से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का दिव्य अनुभव किया।

# शनिचरा बाबा का वार्षिक पूजनोत्सव संपन्न

**केटी न्यूज/डुमरांव**

शनिवार को डुमरांव के राज हाई स्कूल के पास स्थित शनिचरा बाबा मंदिर का वार्षिक पूजनोत्सव पारंपरिक तरीके से संपन्न हुआ। वार्षिक पूजनोत्सव को ले मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वहीं, सुबह से ही मंदिर में लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों से शनिचारा बाबा का जयघोष हो रहा था, वहीं भक्ति गीतों से माहौल भक्तिमय बना रहा। बता दें कि यह पूजा तुरहा समाज के द्वारा किया जाता है। शनिवार को पूरे उत्साह के साथ न्याय के देवता माने जाने वाले शनिदेव की वार्षिक पूजा की गई। इस मौके पर एक मेले का आयोजन भी किया गया था, जिसमें देर रात तक बच्चे लुफ्त उठाते नजर आए।

# राजस्व महाअभियान के तहत घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी का वितरण शुरू

**केटी न्यूज/नावानगर**

राजस्व विभाग द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान के तहत शनिवार को नावानगर प्रखंड क्षेत्र में घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी का वितरण कार्य शुरू किया गया। इस अभियान की शुरूआत महाअभियान के वरीय प्रभारी आलोक वत्स एवं नावानगर अंचलाधिकारी रानी कुमारी के नेतृत्व में आत्मी पंचायत से की गई। मौके पर अधिकारियों ने स्वयं ग्रामीणों के बीच जाकर उन्हें जमाबंदी पंजी उपलब्ध कराया और इस दस्तावेज के महत्व को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर आलोक वत्स ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि हर किसान और भू-स्वामी को उनके जमीन से संबंधित प्रमाणित दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि जमाबंदी पंजी से भूमि स्वामी अपनी जमीन की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे भविष्य में किसी प्रकार के विवाद या समस्या से बचाव संभव होगा। अंचलाधिकारी ने भी ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने-अपने दस्तावेज को सुरक्षित रखें और यदि इसमें किसी प्रकार की त्रुटि हो तो तुरंत अंचल कार्यालय से संपर्क करें। इस दौरान आत्मी तथा नावानगर पंचायत के कई ग्रामीणों को उनके नाम से संबंधित जमाबंदी पंजी सौंपा गया। दस्तावेज पाकर ग्रामीणों में काफी खुशी देखी गई। लोगों ने कहा कि अब उन्हें अंचल कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे, बल्कि घर पर ही जमीन का प्रमाणित विवरण मिल गया है। गौरतलब है कि राजस्व महाअभियान 16 अगस्त से 20 सितम्बर तक पूरे जिले में चलाया जा रहा है। इस अवधि में सभी प्रखंडों में राजस्व विभाग की टीम घर-घर जाकर न सिर्फ जमाबंदी पंजी का वितरण करेगी, बल्कि जमीन से संबंधित लंबित मामलों रही के निपटारे की भी कोशिश की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आमजन को राहत देने और भूमि संबंधित विवादों के स्थायी समाधान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

## अधिकारियों की टीम ने गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को उनके जमीन संबंधी प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध कराए

# राजस्व महाअभियान के तहत ब्रह्मपुर प्रखंड में शुरू हुआ जमाबंदी पंजी वितरण

**केटी न्यूज/ब्रह्मपुर**

राज्य सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा संचालित राजस्व महाअभियान के तहत शनिवार को ब्रह्मपुर प्रखंड क्षेत्र में घर-घर जाकर जमाबंदी पंजी का वितरण कार्य शुरू किया गया। इस विशेष अभियान की शुरूआत गोहाना पंचायत से की गई। नेतृत्व में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अवर सचिव महेंद्र पाल, अनुमंडल अधिकारी राकेश कुमार, अंचलाधिकारी खुशबू खातून, आर.ओ. रोहित अग्रवाल एवं राजस्व कर्मी कन्हैया कुमार मौजूद रहे।

अधिकारियों की टीम ने गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को उनके जमीन संबंधी प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध कराए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि जमाबंदी पंजी हर किसान और भू-स्वामी के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह न केवल भूमि स्वामित्व का प्रमाण है, बल्कि बैंक से ऋण लेने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और भविष्य में किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद से बचने में भी मददगार साबित होता है।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य किसानों और आम नागरिकों को समय पर प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें छोटे-छोटे कामों के लिए दफ्तरों का चक्कर न लगाना पड़े। विभाग की टीम सीधे घर-घर जाकर लोगों को यह सुविधा उपलब्ध करा रही है। इससे सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा।

इस मौके पर उपस्थित आलोक वत्स ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि हर किसान और भू-स्वामी को उनकी जमीन का प्रमाणित दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों और भू-स्वामियों के लिए एक बड़ी राहत है। अब लोगों को महीनों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दस्तावेज में अगर कोई त्रुटि है तो उसे भी मौके पर सुधारा जा रहा है।

# इमाम हुसैन के शहादत पर चालीसवां ताजिया का आयोजन

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड के स्थानीय नया बाजार केसठ में इमाम हुसैन के शहादत पर गुरुवार की रात्रि में चालीसवां ताजिया का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुसलमान भाइयों द्वारा ताजिया रखा गया। ताजिया नियमानुसार गांव में भी भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर पारंपरिक रितियों के अनुसार रात्रि में बाना बनैठी, तलवारबाजी आदि का खेल प्रदर्शन कार्यक्रम हुआ। जिसका उद्घाटन डुमरांव विधानसभा राजद के पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव द्वारा फीता काटकर किया गया। इस कार्यक्रम में पिअरो की टीम मौजूद रही। जिनके द्वारा बाना बनैठी, तलवारबाजी आदि खेल प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गामा पहलवान आदि मौजूद रहे। यह कार्यक्रम रात्रि में चला। शुक्रवार को रीति रिवाज के अनुसार पहलाम कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में कमेटी के जिलानी खान, मिराजुद्दीन, आजाद अहमद, साबिर अली, जियाउल हक, परवेज आलम, रिजवान आलम, मिद्दू खान, चांद खान सहित अन्य लोगों की सहभागिता बढ़ चढ़कर रही। कमेटी के कार्यकताओं से मिली जानकारी के अनुसार इसी कार्यक्रम के मद्देनजर आज 17 अगस्त रविवार को 12 बजे दिन में भी बाना बनैठी, तलवारबाजी आदि खेल प्रदर्शन कार्यक्रम रखा गया है।

## स्वतंत्रता दिवस पर कनकनारायनपुर मैदान में गूंजे बल्ले और तिरंगे के जयकारे

# पुलिस-पब्लिक मैत्री क्रिकेट मैच, चौसा में खेल और सौहार्द का अनोखा संगम

**केटी न्यूज/चौसा**

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चौसा नगर पंचायत के कनकनारायनपुर खेल मैदान पर शुक्रवार को एक अनूठा आयोजन हुआ। पुलिस और पब्लिक के बीच खेले गए मैत्री क्रिकेट मैच ने न केवल खेल का रोमांच दिखाया बल्कि आपसी भाईचारा और सौहार्द का सुंदर संदेश भी दिया। यह आयोजन थानाध्यक्ष शम्भू भगत की पहल पर स्थानीय समिति और समाजसेवियों के सहयोग से संपन्न हुआ। 15-15 ओवर के इस मुकाबले में पुलिस टीम और पब्लिक टीम आमने-सामने उतरी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पुलिस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और निर्धारित ओवरों में 139 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पुलिस के बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ शॉट्स से मैदान में मौजूद दर्शकों को खूब रोमांचित किया।

जवाब में पब्लिक टीम ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। उनके बल्लेबाजों ने शुरूआत तो अच्छी की, लेकिन पुलिस की सटीक और धारदार गेंदबाजी के सामने वे टिक नहीं सके। पूरी टीम 120 रन पर ढेर हो गई। इस तरह पुलिस टीम ने 19 रनों से यह मैच अपने नाम कर लिया। जीत के बाद पुलिस खिलाड़ियों और दर्शकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व जिप सदस्य डॉ. मनोज यादव उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में विश्वास और आपसी एकता की मिसाल पेश करते हैं। खेल न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि समाज में भाईचारे की डोर को मजबूत करने का सेतु भी है। थानाध्यक्ष शम्भू भगत ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस और जनता के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध ही अपराध नियंत्रण और विकास की नींव रखते हैं। ऐसे आयोजन इस रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं।

मैच के समापन पर विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति का जज्बा भी देखने को मिला। खेल भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस का उल्लास मैदान में झलकता रहा।

इस आयोजन को सफल बनाने में विवेक चौबे, मनीष उपाध्याय, काजू मिश्रा, गोलू उपाध्याय, सतीश सिंह, सोनू दुबे, राजा चौबे और निप्पू ने अहम योगदान दिया। कार्यक्रम में बुचिया देवी भी उपस्थित रहीं। चौसा का यह मैत्री क्रिकेट मैच इस बात का प्रतीक बन गया कि जब पुलिस और जनता साथ आते हैं, तो खेल और

# चौसा में पोखरे से मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस की टीम

- हाथ-पैर बंधे मिलने से हत्या की आशंका, इलाके में फैली सनसनी

**केटी न्यूज/चौसा**

चौसा प्रखंड के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पशु मेले के समीप स्थित एक पोखरे से शुक्रवार की शाम अज्ञात युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। शव की हालत और हालात को देखकर प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर उसके शव को पोखरे में फेंका गया है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम कुछ पशुपालक अपने मवेशियों को चराने और घास काटने के लिए पोखरे के आसपास गए थे। तभी उनकी नजर पानी में उतराए हुए शव पर पड़ी। देखते ही देखते वहां भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोखरे से बाहर निकलवाया।

**हाथ-पैर बंधे मिले, हत्या की जताई जा रही है आशंका**

स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक के हाथ-पैर बंधे हुए मिले हैं। इससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि युवक की हत्या कर शव को पोखरे में डुबोया गया है। मृतक ने चेकदार शर्ट और काला पैंट पहन रखा था। हत्या के अंदेशे से आसपास के लोग भी दहशत में हैं।

### पहचान की कोशिश में जुटी पुलिस

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीच मृतक की पहचान को लेकर तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। कोई उसे पशु व्यवसायी बता रहा था तो कोई बाहर से लाकर हत्या कर शव फेंके जाने की बात कह रहा था। हालांकि अब तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना भेजकर पहचान की कवायद शुरू कर दी है।

### थानाध्यक्ष ने दी जानकारी

मामले पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष शम्भू भगत ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। शव को पानी से बाहर निकाला गया है और पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। अगर पहचान नहीं हो पाती है तो शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जाएगा।

### इलाके में चर्चा और दहशत का माहौल

शव मिलने की घटना से चौसा और आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हैं। लोग इसे आपसी रंजिश से जुड़ी घटना भी बता रहे हैं। वहीं, किसी ने इसे अपराधियों द्वारा बाहर से लाकर की गई हत्या का परिणाम बताया। कुल मिलाकर, इस सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके को सकते में डाल दिया है। पुलिस हर बिंदु पर छानबीन में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पूरा खुलासा हो सकेगा।

# रिंकू देवी ने पीएम आवास से बनाया सपनों का घर, सम्मान पाकर पेश की नई मिसाल

**केटी न्यूज/आरा**

सरकारी योजनाएं सही हाथों तक पहुंचें तो बदलाव संभव है, यह आरा शहर की रिंकू देवी ने मिट्टी के घर से राष्ट्रपति भवन तक का सफर पूरी कर साबित किया है। उन्होंने जीवन का वो पल देखा, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से उन्होंने अपने सपनों का आदर्श घर बनाया और उनकी इस उपलब्धि के लिए शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने का मौका मिला।भोज में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें अपने हाथों से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वार्ड नंबर 33 की निवासी रिंकू देवी को बिहार से चयनित दो लाभुकों में से एक थीं, जिन्हें पीएम आवास योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सम्मानित किया गया।रिंकू देवी पेशे से मिड-डे मील रसोइयां हैं और शहर के जैन बाला विश्राम मध्य विद्यालय में मात्र 1600 रुपये मानदेय पर बच्चों का भोजन पकाती हैं। उनके पति स्पेयर पार्ट्स की दुकान पर काम करते हैं। मिट्टी के जर्जर कमरे से निकलकर अब उनके पास चार कमरों का पक्का मकान है।साल 2021-22 में उन्हें आवास योजना से दो लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई। इसमें उन्होंने अपनी एक लाख रुपये की बचत भी जोड़ी। पुराने घर से निकले अमला का उपयोग किया और परिवार के लोगों ने खुद निर्माण कार्य में हाथ बंटाकर मजदूरी खर्च बचाया।परिणामस्वरूप एक सुंदर, स्वच्छ और मानक अनुरूप घर तैयार हुआ। घर में शौचालय भी बनाया गया है। महापौर इंदू देवी और वार्ड पार्षद आशा देवी की पहल पर स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान के लिए नगर निकायों से मांगे गए प्रस्ताव पर इनकी इंट्री भेजी गए। कई चरणों में जांच के बाद रिंकू देवी को इस सम्मान के लिए चुना गया। वे कहती हैं कि योजना ने हमें सिर्फ मकान नहीं दिया, बल्कि समाज में सम्मान भी दिलाया। उन्हें दिल्ली जाने-आने की व्यवस्था नगर निगम ने की। पहली बार हवाई जहाज यात्रा कर उन्होंने नया अनुभव लिया।उन्होंने कहा कि जब मैं पहली बार फ्लाइट में बैठी तो ऐसा लगा जैसे सपना देख रही हूं। दिल्ली में फाइव स्टार अशोका होटल में ठहरीं, यह अनुभव जीवनभर याद रहेगा।उन्होंने राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज का अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां लगभग 200 प्रकार के व्यंजन परोसे गए थे। उन्होंने कहा कि इस अवसर ने आत्मविश्वासी बना दिया है और वह दूसरों को भी योजनाओं का सही उपयोग के लिए प्रेरित करेंगी।

# बहुउद्देशीय हॉल में खेल प्रतिभाओं को निखारने का मिलेगा मौका : कुलपति

**केटी न्यूज/आरा**

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल का उपयोग अब खिलाड़ी करेंगे। इस हॉल में विभिन्न खेलों का कोर्ट बनाया गया है। आज का दिन ऐतिहासिक है। शैक्षणिक परिसर में बड़े खेल आयोजनों के लिए सुसज्जित भवन सौंपा जा रहा है। ये बातें वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने बहुउद्देशीय हॉल का उद्घाटन करने के बाद कहीं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कुलपति ने हॉल का उद्घाटन किया। कुलपति ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत तैयार स्टेडियम में खेल प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलेगा। भविष्य में यह स्टेडियम युवाओं के उत्थान के लिए काफी फायदेमंद होगा। मालूम हो कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के नूतन परिसर के प्रशासनिक भवन और बीएड विभाग के बीच बने मल्टी पर्पस हॉल (बहुउद्देशीय हॉल) को पिछले दिनों एजेंसी की ओर से विवि को सुपुर्द कर दिया गया था। बता दें कि बिहार आधार भूत संरचना द्वारा इसका निर्माण किया गया है। चालू शैक्षणिक सत्र में अब विश्वविद्यालय खेलों का संचालन इसी मल्टी पर्पस हॉल में करेगा। यह मल्टी पर्पस हॉल 40 मीटर गुणा 50 मीटर यानि 4.82 कट्ठा भूमि पर बना है। इसमें विभिन्न खेलों के इंडोर गेम की व्यवस्था है। अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत कई खेल इसमें होंगे। 4.50 करोड़ रुपये की लागत से यह बना है। बढ़ेगी खेल की सुविधा, होगी कई प्रतियोगिताएं उद्घाटन के बाद कुलपति ने कहा कि इस हॉल में अंतर महाविद्यालय खेलकूद की कई प्रतियोगिताएं संचालित होगी। नवनिर्मित इस भवन में खेल की कई विधाएं संचालित होंगी। वर्तमान सत्र 2025-26 के

खेल कैलेंडर के अनुसार अंतर महाविद्यालय खेल कूद की कई गतिविधियां और प्रतियोगिता संचालित करने की योजना बनाई गई है। इसमें वॉलीबॉल, बैंडमिंटन, रेसलिंग, कबड्डी, टेबल टेनिस,वुशु, खो - खो एवं जूडो का कोर्ट बनाया गया है। फायदा यह होगा कि खिलाड़ियों को इन खेलों के लिए एक ही जगह प्रशिक्षण मिलेगा। साथ ही कई इनडोर खेलों का आयोजन भी होगा। वहीं योगा का अलग हॉल बनाया गया है। इस बड़े भवन में खिलाड़ियों के रहने की भी व्यवस्था है। मौके पर प्रो धीरेन्द्र कुमार सिंह, प्रो संजय कुमार सिंह, प्रो लाल बाबू सिंह,संतोष कुमार तिवारी, प्रो गुलाब फलाहारी, प्रो जितेंद्र कुमार, पीटीआई यशवंत सिंह सहित जिले के विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक मौजूद थे। खेलो इंडिया के तहत हुआ है निर्माण मालूम हो कि खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों की प्रतिभा तराशने के लिए यह हॉल बनाया गया है। खेलो इंडिया के माध्यम से ही निर्माण को राशि मिली थी। केंद्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लक्ष्य खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देना है। इसके उद्घाटन से भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले के खिलाड़ियों को इसका लाभ मिलेगा। साढ़े चार करोड़ की लागत से बना है हॉल मालूम हो कि खेलो इंडिया के तहत साढ़े चार करोड़ की लागत से मल्टी पर्पस हॉल का निर्माण हुआ है। यह मल्टी पर्पस हॉल 40 गुना 50 मीटर में भव्य बना हुआ है। इसमें वॉलीबॉल, बैंडमिंटन, हैंडबॉल,रेसलिंग, कबड्डी, टेबल टेनिस, खो - खो,शतरंज एवं जूडो का कोर्ट बनाया गया है। यहां योग का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। साथ में इन खेलों में प्रशिक्षण हासिल करने वाले खिलाड़ियों को विवि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भेजेगा। नूतन परिसर बनेगा स्पोर्ट्स केंद्र कुलपति प्रो चतुर्वेदी ने कहा कि कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के नूतन परिसर की जमीन को स्पोर्ट्स केंद्र बनाने की योजना बनाई गई है। इसे ध्यान मे रखते हुए प्रस्ताव विवि प्रशासन ने कई प्रस्ताव तैयार किए है। पहले चरण में मल्टी पर्पस हॉल का निर्माण हुआ है। दरअसल नूतन परिसर की 25 एकड़ जमीन मेडिकल कॉलेज को दिए जाने के बाद शेष जमीन पर परीक्षा विभाग,बीएड विभाग और प्रशासनिक भवन बना है। बाकी जमीन पर खेल की गतिविधियां होगी।साथ ही अन्य भवन का निर्माण होना है। मल्टी पर्पस हॉल बनने के बाद जीरो माइल अवस्थित न्यू कैम्पस का ग्राउंड खेलकूद का हब बन जाएगा। विवि अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा संवारने का और अधिक मौका मिल सकेगा।

# राजस्व महाअभियान शुरू, रैयतों को भूमि अभिलेखों की शुद्धता से मिलेगा लाभ

**केटी न्यूज/आरा**

भोजपुर जिले में राजस्व महाअभियान शनिवार से शुरू हो गया। इसके अंतर्गत रैयतों को भूमि अभिलेखों की शुद्धता से लाभ मिलेगा। इसे लेकर राजस्व कर्मी घर- घर जाकर प्रपत्र दे रहे हैं। इस दौरान भूमि से जुड़ी सभी तरह की त्रुटियों को दूर किया जाएगा। इसके लिए जिलेभर के अंचलों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही रैयतों के बीच जागरूकता का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पहले ही दिन से राजस्व टीम घर- घर जाकर ऑनलाइन जमाबंदी सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन कराने हेतु आवेदन प्रपत्र और जमाबंदी की प्रति उपलब्ध

करा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक रैयत को भूमि से संबंधित सही एवं पारदर्शी दस्तावेज उपलब्ध कराना है, ताकि दाखिल-खारिज, परिमार्जन और अन्य सुधार कार्यों को त्वरित गति से पूरा किया जा सके। कानूनी व सामाजिक विवादों से बचाव कर स्थायी समाधान उपलब्ध कराना इसका मकसद है। भूमि अभिलेखों की शुद्धता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ व बैंकों से ऋण लेने की प्रक्रिया को सरल बनाना भी इसका उद्देश्य है। - शिविरों के माध्यम से समाधान किया जाएगा इस महाअभियान को हर पंचायत और गांव तक पहुंचाने की योजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पंचायत एवं गांव में विशेष शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में रैयतों की भूमि संबंधी त्रुटियों का समाधान किया जाएगा। विवादित मामलों का नियमानुसार निपटारा होगा और ग्रामीणों को मौके पर ही सुविधा मिलेगी। इससे उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। - दरवाजे पर ही समाधान की सुविधा अब रैयतों को अपनी भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए न अतिरिक्त श्रम करना होगा और न ही समय की बबार्दी। राजस्व सेवाएं अब सीधे रैयतों के घर-द्वार पर उपलब्ध होंगी। ग्रामीण इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और अधिकतम लाभ उठाएं। - रैयतों को मिलेगा लाभ - केवल कागजी सुविधा ही नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष आर्थिक एवं सामाजिक लाभ - बैंकों से ऋण प्राप्त करना और सरकारी योजनाओं का लाभ लेना और सरल होगा - विवाद रहित भूमि से सामाजिक सौहार्द व ग्रामीण समरसता बढ़ेगी - भूमि का बाजार मूल्य और उपयोगिता बढ़ेगी जिला प्रशासन का लक्ष्य हर गांव तक पहुंचे लाभ जिला प्रशासन का स्पष्ट लक्ष्य है कि इस सेवा का लाभ जिले के प्रत्येक पंचायत और गांव तक पहुंचे। इसके लिए माइक्रो प्लान तैयार किया गया है, ताकि शिविरों का आयोजन नियमित व व्यवस्थित ढंग से हो। प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है और कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा की जाएगी। - कोट भूमि अभिलेखों की शुद्धता से न केवल व्यक्तिगत लाभ होगा, बल्कि सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी। यह केवल कागजी सुधार नहीं, बल्कि रैयतों को सशक्त बनाने की पहल है। डीएम तनय सुल्तानिया ने कहा कि यह अभियान ग्रामीणों के लिए समस्या का स्थायी समाधान लेकर आया है। जिले के प्रत्येक रैयत से अपील है कि वे इस अभियान में शामिल होकर लाभ उठाएं।

## एक नजर

30 अगस्त को आरा में इंडिया के आह्वान पर होने वाली वोट अधिकार यात्रा को सफल बनाने का लिया गया फैसला

### हजारों लोग होंगे भोजपुर से शामिल : कुणाल

**आरा।** भाकपा - माले जिला कमिटी का एकदिवसीय बैठक जिला कार्यालय आरा में आज सम्पन्न हुआ। बैठक में चुनाव आयोग द्वारा किया जा साइआर, इंडिया के आह्वान पर होने वाले वोट अधिकार यात्रा जिसमें भाकपा - माले राष्ट्रीय महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य, लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री तेजस्वी यादव शामिल होंगे सहित वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति पर बात चीत हुई। बैठक में का. कुणाल ने कहा कि चुनाव आयोग के द्वारा बिहार में चलाए जा रहे एस आई आर का बैठक में प्राप्त रिपोर्ट में एक यह देखा गया कि ड्राफ्ट सूची और डिलेशन सूची में व्यापक गड़बड़ी हुई है। भाजपा सर्मथकों का डबल इंट्री, मृतकों के नाम सिफ्टेड लोगों का नाम भी शामिल किया गया है। लेकिन दूसरे तरफ गरीबों का नाम काटा गया है। जो लोग रोजगार के लिए लिए बिहार और जिला में भी बाहर गए हैं उनक्त भी नाम काट दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी फॉर्म 6, 7, 8 आदि भरने के लिए बूथ चलो अभियान चला रही है। जिसको गति देने के लिए प्रखण्ड स्तरीय बीएलए 2, ब्रांच सचिवों बूथों पर सक्रिय साथियों का कन्वेंशन किया जाएगा। यह कल दो प्रखण्ड और 18 को सभी प्रखण्डों का कन्वेंशन होगा। उन्होंने आगे कहा कि 30 अगस्त को आरा में इंडिया के आह्वान पर होने वाले वोट अधिकार यात्रा जिसमें भाकपा - माले राष्ट्रीय महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य, लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री तेजस्वी यादव शामिल होंगे की तैयारी पर बैठक में बातचीत हुई। जिस में यह फैसला हुआ कि यात्रा को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए निर्णय लिया गया है। जिले से हजारों लोग शामिल होंगे। जगह जगह प्रचार अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव अभियान, बूथ चलो अभियान को गति देने के लिए पटना नगर सचिव व केंद्रीय कमिटी सदस्य का. अभ्युदय भोजपु में काम करेंगे। इस बैठक बैठक में केंद्रीय कमिटी सदस्य राजू यादव, राजू यादव, अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन, राज्य कमिटी सदस्य कयामुद्दीन अंसारी, इंदु सिंह, रमेश जी, संजय सिंह, पूर्व विधायक चंद्रदीप सिंह, संगीत सिंह, सबीर कुमार, उपेन्द्र भारती सहित कई कमिटी सदस्य शामिल हुए।

### लालू यादव पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व विधायक अरुण यादव के घर

**आरा।** राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव शनिवार को भोजपुर जिले के अगियाव गांव पहुंचे। वे यहां संदेश विधानसभा के पूर्व विधायक अरुण यादव एवं वर्तमान विधायक किरण देवी के ससुर स्व. भुनेश्वर सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। लालू यादव ने सबसे पहले हवन-पूजन में भाग लिया और दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए आहुति अर्पित की। इसके बाद उन्होंने भुनेश्वर सिंह यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि भुनेश्वर सिंह यादव संघर्षशील एवं समाजवादी विचारधारा के सच्चे सिपाही थे। पुण्यतिथि के अवसर पर गांव में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पूर्व विधायक अरुण यादव ने लालू यादव को सॉल और चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान लालू प्रसाद यादव वैनिटी वैन में बैठकर भोजपुर के कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लेते दिखे। सिंगर किन्नर बबीता ने भिखारी ठाकुर का गीत गाया और भोजपुर के गायक गोलु राजा ने अपनी प्रस्तुति दी। इस बीच परंपरागत गोंड नृत्य और लौंडा डांस का भी विशेष आयोजन किया गया, जिसे लालू प्रसाद यादव ने गाड़ी में बैठकर देखा। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, राजद कार्यकर्ता और ग्रामीण जुटे थे। लोग लालू यादव की एक झलक पाने को बेताब दिखे। माहौल उत्साह और उमंग से भर गया।

### प्रसव के दौरान नवजात की मौत पर परिजनों किया सड़क जाम, डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

**आरा।** शहर के शिवगंज सपना सिनेमा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में शनिवार की सुबह हंगामा हो गया। प्रसव के दौरान नवजात की मौत और प्रसूता की बच्चेदानी निकाले जाने से आक्रोशित स्वजन व स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने अस्पताल के समीप जाम लगा दिया। लोगों का आरोप है कि डॉक्टर ने ऑपरेशन के दौरान लापरवाही बरती। साथ ही स्वजनों की सहमति के बिना प्रसूता की बच्चेदानी निकाल दी गई। गुस्साए लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की और जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए लोगों को समझाया। इधर, डॉक्टर का कहना है कि प्रसव के दौरान महिला के शरीर से अत्यधिक खून गिर रहा था। प्रसूता की जान बचाने के लिए बच्चेदानी निकालना आवश्यक हो गया। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

### आचरण प्रमाण पत्र जारी करने में बक्सर राज्य में प्रथम, कई पुलिस अधिकारी हुए सम्मानित

**बक्सर।** आजादी की 79वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले के कई पुलिस पदाधिकारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए विभागीय अधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय समेत आठ पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया तथा पुलिस सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस पदाधिकारियों को डीएम व एसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने बताया कि डीएसपी मुख्यालय पंकज कुमार सिंह की तत्परता के कारण आचरण प्रमाण पत्र निर्गत करने में बक्सर को राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस योगदान के लिए डीएसपी मुख्यालय को सम्मानित किया गया। इसके अलावा मुफस्सिल थाना प्रभारी शंभू कुमार भगत को कांड का त्वरित उद्भेदन करने के लिए प्रशस्ति पत्र, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी डुमरांव संजय कुमार सिन्हा व अभियोजन कोषांग प्रभारी चंदन कुमार झा को स्पीडी ट्रायल के दौरान छह माह में 62 अभियुक्तों को न्यायालय से सजा दिलाने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।औद्योगिक थाना के एसआई आशीष कुमार को पश्चिम बंगाल से चोरी हुए सामान को 48 घंटे के अंदर बरामद करने के साथ-साथ आरोपियों की गिरफ्तारी में त्वरित कार्रवाई करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, औद्योगिक थाना के एसआई लालबाबू पासवान और कांस्टेबल विक्रम कुमार को ट्रेन दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 13 मिनट के अंदर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही औद्योगिक थाना के चालक मंजय कुमार मिश्रा को नादौन रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसका इलाज करवाकर उसकी जान बचाने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

## प्रशासन ने समारोह को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी की

# बिहार में शुरू हुआ राजस्व महा-अभियान, जमीन से जुड़ी समस्या चुटकियों में होगी दूर

**एजेंसी। पटना**

जमीन के कागजों की गड़बड़ियों को समाप्त करने और आज के हिसाब से जमाबंदियों को अपडेट करने के लिए राजस्व महाझअभियान 16 अगस्त से 20 सितम्बर तक चलाया जा रहा है। आज से अभियान की शुरूआत हो गई है। अभियान के बारे में जानकारी देते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर रैयत तक पहुंचकर जमीन के अभिलेखों को दुरुस्त करना है, ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो।मंत्री संजय सरावगी ने बताया कि इस दौरान टीम घरझघर जाकर रैयतों को जमाबंदी की प्रति

और आवेदन प्रपत्र उपलब्ध करा रही है। आवश्यक होने पर नाम, पिता का नाम, खाताझखेसरा, रकबा, लगान आदि में त्रुटियों का सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि किसी भी रैयत को अपने कागज के सुधार के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े। राजस्व विभाग स्वयं आपके दरवाजे तक पहुंच रहा है। मंत्री ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए तीन स्तर अनुमंडल, जिला और मुख्यालय स्तर पर मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। मुख्यालय के वरीयतम अधिकारियों को प्रमंडलों एवं अन्य अधिकारियों को सभी जिलों में पर्यवेक्षण की जिम्मेवारी दी गई है। उन्होंने बताया कि विभागीय सचिव जय सिंह को पटना प्रमंडल, सचिव गोपाल मीणा को सारण एवं दरभंगा प्रमंडल, चकबंदी निदेशक राकेश कुमार को कोशी एवं मुंगेर प्रमंडल, भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशक जे प्रियदर्शिनी को तिरहुत प्रमंडल, भू अर्जन निदेशक कमलेश कुमार सिंह को पूर्णिया एवं भागलपुर प्रमंडल एवं विशेष सचिव अरुण कुमार सिंह को मगध प्रमंडल की मॉनिटरिंग की जिम्मेवारी सौंपी गई है। पहले दिन सभी जिलों में मुख्यालय के अधिकारी जमाबंदी पंजी वितरण की शुरूआत के साथ व्यवस्था की मॉनिटरिंग में लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान में चार प्रमुख प्रकार की समस्याओं का समाधान होगा। इस दौरान ऑनलाइन जमाबंदी में त्रुटि सुधार (परिमार्जन), उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण (पारिवारिक हिस्सेदारी) और गैर-डिजिटाइज्ड जमाबंदी को ऑनलाइन करने का काम होगा। मंत्री संजय सरावगी ने बताया कि दो स्तरों पर अभियान चलाने की व्यवस्था की गई है। 16 अगस्त से 15 सितम्बर तक घरझघर जाकर जमाबंदी की प्रति और आवेदन प्रपत्र रैयतों तक पहुंचाए जाएंगे। 19 अगस्त से 20 सितम्बर तक पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगेंगे, जहां आवेदन जमा करने और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री ने बताया कि शिविर में आवेदन जमा करते ही उसका पंजीकरण पोर्टल biharbhumi.bihar.gov.in पर होगा और रैयतों को ओटीपी के माध्यम से आवेदन की प्रगति की जानकारी मिलती रहेगी।

## चुनाव की तैयारियों में जुटे लालू यादव पटना से आरा के लिए हुए रवाना

**एजेंसी। पटना**

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार में सभी चुनावी पार्टियां सक्रिय हो गई है। ऐसे में आज राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सुबह-सुबह एक्टिव मोड़ में नजर आए है। लालू यादव अपनी वैनिटी वैन से पटना से आरा के लिए रवाना हुए हैं। उनका उद्देश्य इस चुनावी मौसम में अपने पार्टी कार्यकताओं से मिलकर उन्हें उत्साहित करना और आगामी चुनावों के लिए संगठन को मजबूत बनाना है। आरा पहुंचने के बाद लालू प्रसाद यादव कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके अलावा, वह पूर्व विधायक अरुण यादव से भी मुलाकात करेंगे, जो इस क्षेत्र में राजद के

महत्वपूर्ण चेहरे माने जाते हैं।राजद प्रमुख की यह सक्रियता यह दशार्ती है कि पार्टी चुनावी तैयारियों को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पिछली बार के मुकाबले इस बार लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी ने बेहतर रणनीति अपनाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही वे पार्टी कार्यकताओं को चुनाव प्रचार में ज्यादा मेहनत करने और जनता से संपर्क बनाने के निर्देश भी देंगे।

# पटना में मुठभेड़, फायरिंग कर भाग रहे अपराधी को पुलिस ने मारी गोली

## पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल बरामद किया

**एजेंसी। पटना**

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत रानीतालाब थाना क्षेत्र के निसरपुरा लख के पास अपराधी दिव्यांशु उर्फ अंशु और पटना पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में अपराधी के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि वह रामाकांत यादव हत्याकांड में फरार चल रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और एक डोंगल बरामद किया है।मामले की जानकारी देते हुए पटना एसएसपी कार्तिकेय कुमार शर्मा ने बताया कि 10 जुलाई की शाम रानीतालाब थाना क्षेत्र के धाना गांव निवासी बालू कारोबारी रामाकांत यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर एक विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया गया था। पुलिस ने पहले ही इस मामले में दो अभियुक्त मंटू कुमार और बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया था, जबकि एक

नाबालिग को हिरासत में लिया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान यह जानकारी सामने आई कि इस हत्याकांड में काब गांव निवासी दिव्यांशु उर्फ अंशु भी शामिल था। इसके बाद 15 अगस्त को पटना एसटीएफ और पटना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दिव्यांशु को लखनऊ से गिरफ्तार कर पटना लाया गया। पूछताछ के दौरान उसने हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी को लेकर पुलिस को जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस उसे रानीतालाब थाना क्षेत्र के निसरपुरा नहर के पास ले गई। इसी दौरान वह पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश करने लगा। उसे रोकने पर भी नहीं रुका, जिसके बाद पुलिस ने उसके बाएं पैर में गोली मारी, जिससे वह घायल हो गया। घायल होने पर पहले उसे विक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए पटना एम्स रेफर किया गया। वर्तमान में उसका इलाज एम्स में चल रहा है।

### वैशाली में अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, थानाध्यक्ष बाल-बाल बचे

वैशाली जिले के पातेपुर थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित राम बाग इलाके में पुलिस और अपराधियों के बीच शनिवार की देर रात मुठभेड़ हो गई। जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी यहां किसी बड़ी वारदात की योजना बनाने के लिए जुटे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तभी अपराधियों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान पातेपुर थानाध्यक्ष बाल-बाल बच गए। इस दौरान अपराधी मौके से फरार हो गए।

### एक्शन मोड में पटना पुलिस

अपराधी अंशु के जख्मी होने के बाद पुलिस ने उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया. वहीं, पीएमसीएच ने बेहतर इलाज के लिए उसे एम्स में रेफर कर दिया है. पुलिस ने अपराधी के पास से एक देशी पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस और 1 डोंगल बरामद किया है. बता दें कि, पटना में बढ़ते क्राइम के मद्देनजर बिहार पुलिस एक्शन मोड में आ गई है. जिसके बाद बदमाशों को एनकाउंटर हो रहे हैं. बीते दिनों व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड में अपराधी विकास उर्फ राजा पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था. राजा ने ही खेमका की हत्या के लिए हथियार मुहैया कराया था. ये जानकारी मिलने पर पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो दोनों में मुठभेड़ हुई थी।

# कोर्ट में गवाही कराने के लिए बिहार में जल्द शुरू होगी ऑनलाइन एप की सुविधा

- लंबित मामलों के निपटारे में आएगी तेजी

**एजेंसी। पटना**

बिहार में लंबित पड़े मुकदमों का निपटारा तेजी से करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के उदेश्य से पुलिस महकमा गवाही पर खासतौर से फोकस कर रहा है। इसके लिए एक विशेष ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की गई है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से गवाहों को प्रस्तुत करने की कवायद शुरू करने के साथ ही आने वाले समय जल्द ही इससे संबंधित एक एप या एप्लिकेशन की शुरूआत होने जा रही है। खासतौर से पोस्टमार्टम या किसी मुकदमे में इंज्यूरी रिपोर्ट तैयार करने वाले डॉक्टरों को प्रस्तुत करने की व्यवस्था की गई है। क्योंकि मुकदमों की तारीख पर पेशी के दौरान डॉक्टरों की पेशी सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्हें कोर्ट तक आने में कोई परेशानी नहीं हो, इसका ध्यान रखते हुए यह खास एप विकसित किया गया है, जिसका नाम ह्यमेडलीप पीआरह्ल है।किसी स्तर के कोर्ट में जिस दिन मुकदमे की तारीख मुकर्र है, उस दिन संबंधित गवाह अनिवार्य रूप से उपस्थित हो, इसका ध्यान रखा जा रहा है। संबंधित पदाधिकारियों या जांच पदाधिकारियों को इस मसले पर ध्यान देने के लिए कहा गया है कि हर हाल में गवाहों की उपस्थिति निर्धारित समय पर कोर्ट के समक्ष हो सके।मेडलीप पीआर

एप को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आगामी 20 दिन में इसके शुरू हो जाने की संभावना जताई जा रही है। इस पर राज्य में किसी स्थान या अस्पताल में तैनात जिस डॉक्टर या मेडिकल ऑफिसर को गवाह के तौर पर जिस मुकदमे में उपस्थित होना होगा, उसे इस एप से जोड़ दिया जाएगा। उन्हें कुछ दिन पहले की केस में उपस्थित होने की तारीख और समय बता दिया जाएगा। अगर वे इस निर्धारित समय पर उपस्थित होने में समर्थ नहीं होने की स्थिति में इसी एप पर लॉग-इन करके सीधे विधायी प्रक्रिया से जुड़ सकते हैं और गवाही की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इससे केस में गवाही की उपस्थिति मानी जाएगी और संबंधित केस में गवाही भी हो जाएगी। इससे केस को तय समय में निपटारा करने में समस्या नहीं आएगी। किसी मुकदमे में पुलिसकर्मी को कोर्ट में उपस्थित होकर हर हाल में गवाही देना अनिवार्य कर दिया गया है। इनकी सहूलियत का ध्यान रखते हुए 2007 में ही एक खास तरह का पोर्टल विकसित किया गया था। अब इस पोर्टल को फिर से पूरी तरह से सक्रिया किया जा रहा है। जिन पुलिसकर्मियों की तैनात संबंधित कोर्ट से दूर-दराज के स्थान पर है, उनकी कोर्ट में गवाही इस पोर्टल के जरिए ही होगी। मेडलीप एप के साथ ही इस पोर्टल को भी पूरी तरह सक्रिय करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। निर्धारित समय पर कोर्ट में पुलिसकर्मियों और डॉक्टरों की गवाही सुनिश्चित कराने पर खासतौर से फोकस किया जा रहा है। ताकि सभी केस में समय पर गवाही करवाकर जल्द ही इन्हें अंजाम तक पहुंचाया जा सके। इससे केस को जल्द निपटाने में सहूलियत होगी और लंबित मामलों का निपटारा जल्द हो सकेगा। केसों में गवाही तेज होने से दोषियों को सजा दिलाने में भी तेजी आएगी।

# पटना में जन सुराज का बिहार बदलाव कांफ्रेंस

## 3000 मुस्लिम बुद्धिजीवियों की मौजूदगी में प्रशांत किशोर ने इंडिया गठबंधन को दी चुनौती

**एजेंसी। पटना**

जन सुराज पार्टी ने पटना के हज भवन में बिहार बदलाव कांफ्रेंस का सफल आयोजन किया। हज भवन में आज बिहार भर से 3000 से ज्यादा मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवी जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से संवाद करने के लिए आए। इनमें 50 से अधिक प्रोफेसर, शिक्षक और अन्य समाजसेवी शामिल रहे। साथ ही 250 के करीब लोगों ने जन सुराज की सदस्यता ली।कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारी यात्रा से आज करीब सवा करोड़ लोग जुड़े हैं, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम हैं। मुस्लिम समाज ने जन सुराज को जोड़ने में बड़ी भूमिका अदा की है, इसके लिए आपका शुक्रिया करते हैं। मुसलमान समाज के लोग आज तक लालटेन का तेल बनकर जलते रहे हैं।

लेकिन अब लालटेन की रौशनी बुझने वाली है।उन्होंने मुस्लिम बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप हमारे साथ आए तो हम अगले दो साल में पूरे देश की राजनीति की दिशा बिहार की ओर कर देंगे। हम आपकी चिंता को 2027 में ही निपटा देंगे। 2029 तक नहीं जाने देंगे। बिहार के बाद आपकी लड़ाई यूपी में लड़ी जाएगी। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समाज ने मेरी बात मानी। देखिए अब वहां यूसीसी-एनआरसी सब खत्म हो गया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज जो काम बिहार में कर रहा है, वो सिर्फ बिहार की लड़ाई नहीं है। देश के 50% हिंदू जो भाजपा से लड़ रहे हैं, उनमें 20% भी हमारे साथ आ जायें तो हमारी लड़ाई जीती हुई समझ लीजिए। हिंदुओं की आधी आबादी ऐसी है, जो गांधी, बाबासाहब, लोहिया, समाजवाद और कम्युनिस्ट विचारधारा को मानती है।

### सड़क हादसे में 22 वर्षीय छात्र की मौत

**सहरसा।** सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र में सहरसा-सुपौल मुख्य मार्ग पर बेला गांव के पास शनिवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 22 वर्षीय सुधीर कुमार की मौत हो गई है। मृतक बिहरा थाना क्षेत्र के पटोरी वार्ड 08 निवासी कूपन मुखिया का बड़ा पुत्र था और आरएम कॉलेज में बीए पार्ट वन का छात्र था।परिजनों के अनुसार सुधीर अपनी बाइक से अपनी बहन के ससुराल जा रहा था, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दूसरी बाइक पर सवार लोग अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। जबकि सुधीर गंभीर रूप से घायल हो गया और स्थानीय लोगों ने उसे पंचगछिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल में सुधीर को एक घंटे तक रोके रखा गया और समुचित इलाज न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

## अब नहीं काटने पड़ेंगे सैनिक कल्याण निदेशालय के चक्कर

# भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होगी सभी योजनाएं

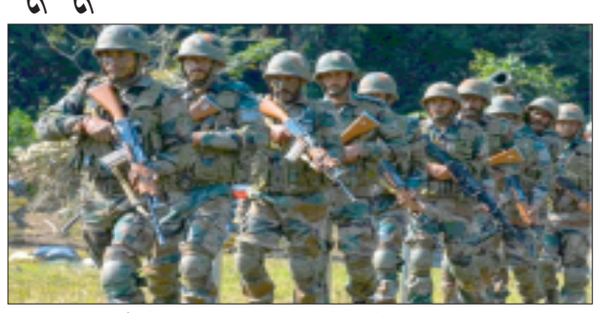

**एजेंसी। पटना**

देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों और उनके आश्रितों को अब बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए सैनिक कल्याण निदेशालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बिहार सरकार राज्यस्तर की सभी कल्याणकारी योजनाओं को केन्द्रीय सैनिक कल्याण बोर्ड की तरह ऑनलाइन करने जा रही है। बता दें कि देश की सरहद की रक्षा करने वाले सैनिकों की सेवानिवृत्ति के बाद उनके पुनर्नियोजन से लेकर सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाएं जैसे उनके बच्चों के लिए शिक्षा अनुदान, वैवाहिक अनुदान और प्रधानमंत्री मेधावी छात्रवृति जैसी योजनाओं का लाभ अब सैनिकों और उनके परिजनों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। इन योजनाओं को ऑनलाइन करने के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद के लिए स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड से 20 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। इसके लिए पटना जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। बिहार सरकार ने पिछले दो वर्षों में सैनिक कल्याण निदेशालय सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। कम आयु में सेना से रिटायर होने वाले सैनिकों के पुनर्वास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। बिहार के पांच हजार भूतपूर्व सैनिकों को इमरजेंसी रिपोर्ट सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) डायल-112 में वाहन चालक के पद पर नियुक्त किया गया है। इतना ही नहीं, राजभवन सचिवालय द्वारा पूर्व सैनिकों को राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में गार्ड के रूप में नियुक्ति का फैसला लिया है। पिछले दिनों ही राजभवन के वाहन चलाने के लिए कुल आधा दर्जन पूर्व सैनिकों को नियुक्त किया गया है। भूतपूर्व सैनिकों के लिए स्नातक

# ग्रामीण समाज तकनीक में महारत

**हमारे दूर-दूर के गांवों में कितनी तकनीकी प्रतिभाएं छिपी हुई हैं और अनुकूल अवसर मिलने पर इस क्षमता के कितने अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, इसके अनेक बेहतरीन उदाहरण राजस्थान के इस ब्लाक के गांवों में देखे जा सकते हैं। क्षेत्र चाहे सौर ऊर्जा का हो या जल संरक्षण का या दस्तकारों को बाजार की नई जरूरतों के अनुकूल ढालने के प्रयास हो या शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों का, विविध किस्म के कार्यों में यहां साधारण ग्रामीणों ने असाधारण काम कर दिखाया है।**

गिरिराज एक मूक-बधिर गांववासी हैं, जो एक समय पूरी तरह उपेक्षित जीवन जी रहे थे। पर आज वे न केवल स्क्रीन प्रिंटिंग का कार्य बहुत अच्छी तरह से सीख चुके हैं। अपितु अनेक युवाओं को प्रशिक्षण भी दे चुके हैं।

लीला ने औपचारिक स्कूली शिक्षा तो बहुत कम प्राप्त की है पर सौर ऊर्जा का कार्य इतनी अच्छी तरह सीख लिया है कि वह अनेक लोगों को इसका प्रशिक्षण दे चुकी है व अनेक गांवों में सोलर सिस्टम लगा भी चुकी है। उधर उसकी सहेलियां सीता व श्यामा ने पेराबॉलिक सोलर कुकर को लगाने व इसका उपयोग सिखाने की क्षमता प्राप्त कर ली है।

लक्ष्मण एक विकलांग कम पढ़े-लिखे गांववासी हैं जिन्होंने अब टेलीफोन एक्सचेंज आपरेट करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। यह सब उदाहरण है अजमेर जिले के सलोरा (किशनगढ़) ब्लाक के गांवों के हैं।

इन छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य किया है सामाजिक कार्य और अुसंधान केंद्र नामक एक स्वैच्छिक संस्था ने। इसे बेयरफुट कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। इस संस्था का गहरा विश्वास है कि कम पढ़े-लिखे और औपचारिक प्रशिक्षण से वंचित बहुत से ग्रामीणों में भी अपने आसपास की समस्याओं की गहरी व्यावहारिक समझ होती है और अवसर मिलने पर वे ऐसा बढ़िया समाधान दे सकते हैं जो ऊंची डिग्री वाले शहरी बाबू भी नहीं दे सकते। इतना ही नहीं, नवीनतम उच्च तकनीक को भी एक व्यावहारिक स्तर पर अपनाने और अपनी जरूरतों के अनुसार उसका उपयोग करने की अनेक ग्रामीणों की क्षमता उससे कहीं अधिक है जितना कि आमतौर पर समझा जाता है। केंद्र के अनेक प्रयोगों से यह सिद्ध हुआ है कि ग्रामीण युवाओं को जब ऐसी जिम्मेदारियां दी गई तो उन्होंने उम्मीद से भी अधिक सफलता प्राप्त की।

उदाहरण के लिये सौर ऊर्जा का क्षेत्र अभी हमारे अधिकांश ग्रामवासियों के लिये एक नया और अपरिचित क्षेत्र है. किंतु तिलोनिया गांव में स्थित लगभग साठ हजार वर्ग फीट पर फैला हुआ इस संस्था का नया परिसर लगभग पूरी तरह सौर ऊर्जा चलित है। यहां रोशनी,काफी गहराई से पानी खींचने के पंप तथा अनेक कम्प्यूटरों के परिचालन की व्यवस्था सौर ऊर्जा द्वारा आसपास के गांवों से आए संस्था के सदस्य ही करते हैं। संस्था द्वारा संचालित

अनेक रात्रि पाठशालाओं और फील्ड केंद्रों में सौर ऊर्जा का प्रकाश फैलाने तथा सौर लालटेनों को बनाने का कार्य भी उन्होंने किया है। इस नई तकनीक के क्षेत्र में कुछ परामर्श तो समय-समय पर बाहरी विशेषज्ञों से प्राप्त करना ही पड़ता है और उसमें समय-समय पर कई समस्याएं भी आती रहती हैं, किंतु फिर भी जितनी कुशलता से ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने इस नई तकनीक को संभाला और अपनाया है उसे देखकर कई विशेषज्ञ स्वयं चकित रह जाते हैं। इससे भी अधिक उल्लेखनीय कार्य यहां के कुछ कार्यकर्ताओं ने इस तकनीक को लद्दाख के बहुत दूर-दराज का उन बहुत ऊंचे दुर्गम गांवों में जहां साधारण बिजली पहुंचने की उम्मीद अभी कई वर्षों तक नहीं पहुंचाकर किया है। यह कार्य लद्दाख के युवाओं के सहयोग से किया गया। ऐसे अनेक लद्दाखी युवा तिलोनिया स्थित संस्था के कार्यालय में आए व वहां उन्होंने सौर ऊर्जा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। लद्दाख में यह कार्य आगे बढ़ाने के लिए लेह में संस्था का एक उप-केन्द्र भी स्थापित किया गया। अरूणाचल प्रदेश व सिक्किम के कुछ दुर्गम गांवों को भी सौर ऊर्जा से प्रकाशित किया गया है।

वर्ष 1972 में तिलोनिया गांव में कार्य आरंभ करने के समय से ही गांवों में पेयजल की संतोषजनक उपलब्धि इस संस्था का एक प्रमुख उद्देश्य रहा है। इस कार्य में भी स्थानीय ग्रामवासियों की प्रतिभा को आगे लाने का भरसक प्रयास संस्था ने किया है। हैंडपंप की मरम्मत के लिये पहले राजस्थान में एक जटिल और खर्चीली व्यवस्था थी जिसके अंतर्गत कभी-कभी तो छोटे से कार्य के लिये दूरदराज से सरकारी कर्मचारियों का दल कार में बैठकर आता था। केंद्र ने अनुभव किया कि इनमें से अधिकांश मरम्मत कार्य तो गांव के ही प्रशिक्षण प्राप्त लोग ही कर सकते हैं। पांच कि.मी. क्षेत्र के लगभग 30 हैंडपंप की देखरेख जो गांववासी (पुरूष या महिला) कर सके, उनका चुनाव कर संस्था द्वारा उसे हैंडपंप मिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। उनके इस अनुभव को बाद में पूरे राजस्थान में दोहराया गया।

# पपीते को दें प्रबंधन की खुराक

### जलवायु

पपीता की बागवानी के लिये गर्म और नम जलवायु अधिक उपयुक्त होती है. लू और पाले से पपीते को काफी नुकसान होता है। नर्सरी के लिये शीतोष्ण व समशीतोष्ण जलवायु अनुकूल होती है।

भूमि का चुनावः पपीते की अच्छी पौध उत्पादन के लिये अच्छे जल निकास वाली भूमि जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7 हो सर्वोत्तम रहता है।

### उन्नत किस्में

पपीते की खेती औद्योगिक रूप से पपेन एंजाइम उत्पादन के लिए की जाती है व इन्हें पपेन किस्म कहते हैं। इसी तरह काटकर खाने वाली पपीते की किस्मों को टेबल किस्में कहते हैं। पपेन प्रमुख किस्में- सी.ओ.5, सी.ओ. 6 हैं.

### टेबल किस्में

हनीड्यू, पूसा मेजेस्टी, पूसा जाइंट, सनराइज सोली , सी.ओ.7 (यह संकर किस्म हैं), सूर्या

### ताईवान किस्में

यह टेबल किस्में हैं जो ताइवान से आयातित संकर पपीता की किस्में हैं इनमें यू नम्बर-1 (784), रेड लेडी (786), सनराइज (783), तायनुंग-1 (761), तायनुंग-2 (785), तायनुंग-3 (782), ताइवान किस्मों में उभयलिंगी व मादा पौधों की अधिकता होती है।

### बीज की मात्रा

एक ग्राम पपीते के बीज में 70 से 75 बीज होते हैं जो कि संकर किस्मों में पाये जाते हैं। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिये 500 ग्राम व संकर किस्मों (ताइवान) के लिए 200 ग्राम बीज पर्याप्त होता हैं।

### बीजोपचार

बीज जनित रोगों से बचाव व अच्छे अंकुरण के लिये बीज को बुवाई से पूर्व 15 मिनिट कपड़े में बांधकर रखें व 10 मिनिट अखबार पर फैलाकर सुखाएं। बीज थोड़ा सूखने के बाद 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति-10 ग्राम बीज पर लगायें। बीज के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिये जिबरैलिक अम्ल (100 पी.पी.एम.) के घोल से 8 घंटे उपचारित करना उपयोगी रहता है।

### बीज बुवाई

उपचारित बीजों को क्यारियों या 150 गेज वाली प्लास्टिक की थैलियों (20 × 15 से.मी.) जिनमें दो भाग मिट्टी व एक भाग सड़ी गोबर के खाद अथवा वर्मी कम्पोस्ट का मिश्रण तैयार करके थैलियों को भरें। 150 किलो मिश्रण में 250 ग्राम सुपरफास्फेट व 10 ग्राम बावस्टीन मिलाना चाहिय। बीज का आधा इंच गहराई में बोएं व पानी झारे से डालें।

### रूट ट्रेनर में बुवाई

आजकल पौध तैयार करने के लिए विशेष प्रकार की प्लास्टिक ट्रे बाजार में मिलती है. जिन्हे रूट ट्रेनर कहते हैं। इसमें साढ़े चार से.मी. व्यास के 74 से 82 प्लास्टिक कप एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। इन कपों में मिट्टी, वर्मी कम्पोस्ट व बारीक बालू का मिश्रण भरकर एक-एक बीज बो दिया जाता है। अंकुरण पश्चात जब पौधे रोपने लायक ऊंचाई के हो जाते हैं तब इन्हें ट्रे से मिट्टी की पिंडी सहित निकालकर थैलियों में रोप दिया जाता है।

बीज का अंकुरण बीज लगाने के 15 दिनों बाद होता है। क्यारियों अथवा थैलियों में पौधे 5 से 7 से.मी. बड़े होने पर उन्हें अन्य थैलियों में बदल देना चाहिये। इस प्रकार खेत में रोपाई पूर्व दो बार बदलने से पौधों की ऊंचाई अधिक नहीं हो पाती है।

### पौध संरक्षण

पौधों को अंकुरण पश्चात प्रारंभिक अवस्था में कीटों, तेज हवा व वर्षा से बचाने के लिए चारों ओर प्लास्टिक की चादर अथवा ग्रीन नेट से आच्छादित कर दें. प्लास्टिक की चादर का इस्तेमाल करने पर इसे रात के समय एक तरफ से हटा दें.

### आर्द्रगलन

इस रोग में पौधे अंकुरण के पश्चात अचानक नीचे गिर जाते हैं अथवा बीज का सही अंकुरण नहीं हो पाता है. इसकी रोकथाम हेतु पौधशाला की मृदा को फार्मेल्डिहाइड 2.5 प्रतिशत घोल से उपचारित करें व पौध को थैलियों में रोपण से पूर्व बाविस्टीन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करें.

### रस चूसक कीट

माहू, फुदका, सफेद मक्खी - ये कीट पौधशाला में पत्तियों से रसचूसकर पौधों को कमजोर करते हैं साथ ही विषाणु जनित रोगों का फैलाव भी करते हैं. नियंत्रण हेतु डायमिथिएट अथवा मिथाइल डेमेटान एक मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर 20 दिन के अंतराल से छिड़काव करें.

# श्रीपद्धति से बढ़ेगा धान उत्पादन

**खरीफ फसलों में धान प्रदेश की प्रमुख फसल है, जो कि 80 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती है। भारत धान पैदा करने वाले देशों में क्षेत्रफल के हिसाब से प्रथम स्थान पर है तथा चीन का दूसरा स्थान है। परंतु पैदावार की दृष्टि से चीन प्रथम स्थान पर है। जहां चीन का उत्पादन 8.88 टन प्रति हेक्टेयर है, वहीं हमारे देश का उत्पादन केवल 2.93 टन हेक्टेयर पर अटका हुआ है। जबकि धान का कटोरा के नाम से विख्यात छत्तीसगढ़ राज्य का औसत उत्पादन निराशाजनक (0.90) टन स्तर पर बनाहुआ है। जिसे बढ़ाने की महती आवश्यकता है। इसके लिये हमें धान की फसल की सघन उत्पादन की नयी तकनीक (श्री पद्धति) अपनाना है। जिससे हमें 7 से 8 टन उत्पादन प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो सकता है।**

### नर्सरी की तैयारी

इस विधि से एक हेक्टेयर क्षेत्र की रोपाई के लिये 100 वर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है। इसके लिये 5 किलो बीज लगाना पड़ता है। नर्सरी तैयार करने के लिये पॉलीथिन या जूट बैग के स्तर को समतल जमीन पर बिछाकर बारीक मिट्टी एवं गोबर खाद को (2:1) के अनुपात में मिलाकर 4 से 5 सेमी. मोटी परत बनाये, इसके ऊपर धान के बीजों को छिड़क दें, तथा हल्की बारीक मिट्टी से ढंक दे, इसके पश्चात धान के पुआल से ढककर हजारे से सिंचाई करें, 2-3 दिन पश्चात धान में अंकुरण होते ही पुआल को हटा लें एवं नर्सरी को नम बनाये रखने के लिये आवश्यकतानुसार सिंचाई करे, जब नर्सरी 12 से 14 दिन की हो जाये तो रोपाई करें।

### खेत की तैयारी

देशी हल से 4-5 बार अच्छी जुताई कर प्रचलित विधि से हल्की मचाई कर पाटा चलाकर समतल करे. खेत की तैयारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि खेत में पानी कहीं भी भरा न रहे, इसके बाद रस्सी के सहारे 25×25 सेमी. की दूरी पर रोपाई करें।

### किस्मों का चयन

हल्की भूमि के लिये कलिंगा, वनप्रभा, अंजली, तुलसी, पूर्णिमा, भारी (मटासी) भूमि के लिये आई.आर.36,64 क्रान्ति, महामाया, एम.टी.यू. 1010, 1001, स्वर्णा, मसूरी, सफरी 17,एच.एम.टी.बम्लेश्वरी आदि हैं.

### रोपाई विधि

रोपड़ी पौधे इस प्रकार उखाड़ें कि उनके साथ बीज मिट्टी और जड़े बिना नुकसान के ज्यों की त्यों बाहर आ जाएं तथा इन्हें उखाड़ने के तुरन्त बाद तैयार खेत में इस प्रकार रोपित करें कि इनकी जड़ी गहराई में न जाये ऐसा करने से पौधे जल्दी लग जाते हैं। पौध से पौध की दूरी 25 से.मी. रखें।

### उर्वरक प्रबंधन

10 से 12 टन गोबर अथवा कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर 260 किलो यूरिया, 800 किलो स्फुर, 67 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश देना चाहिए। उर्वरक के रूप में 250 किलो इफको 12:32:16 तथा 195 किग्रा. यूरिया की आवश्यकता होती है। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के पूर्व खेत की जुताई के समय देना चाहिए, शेष यूरिया को तीन भागों में बांटकर 25 प्रतिशत कंसा भरते समय, 50 प्रतिशत गभोट के समय, 25 प्रतिशत मात्रा खड़ी फसल में दें।

### जल प्रबंधन

खेत में नमी रखे, किंतु पानी भरा हुआ न रखे प्रत्येक 2 मीटर के अंतराल पर जल निकास के लिए एक फूट गहरी नाली बनाये, खेत में प्रत्येक 12 दिनों के अंतराल पर 2-3 दिनों के लिये सूखा रखे, जिससे जड़ी एवं कंसों का विकास हो।

### खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार के लिये 21 दिन बाद पहली निंदाई तथा 40 दिन बाद दूसरी निंदाई अवश्य करना चाहिए। जहां निंदाई की सुविधा नहीं है वहां नींदा नाशक दवा का उपयोग करे, ब्यूटाक्लोर (50 ई.सी.) को 3-4 लीटर या पेण्डीमिथालिन (30 ई.सी.) 3.3 लीटर मात्रा जमाव के 1-2 दिन के अंदर प्रयोग करें। इसके बाद 2-4 डी सोडियम साल्ट 625 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करे। इसका प्रयोग धान की रोपाई के एक सप्ताह बाद करना चाहिए।

## जरूरी है मिट्टी की नब्ज टटोलना

- मिट्टी परीक्षण से उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलती है तथा जरूरत के मुताबिक संतुलित उर्वरक देना आसान हो जाता है.
- उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उपज अधिक तथा लागत में कमी एवं शुद्ध लाभ में वृद्धि होती है।
- खेत की उपजाऊ शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है। मिट्टी परीक्षण जैविक खेती का आधार मुख्य है।

खेत की मिट्टी का परीक्षण कैसे करायें :

मिट्टी का परीक्षण कराने के लिये खेत से मिट्टी का नमूना लेकर उसे पास की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जाता है। खेत से मिट्टी का नमूना लेना बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

नमूना लेने का तरीका

- पूरे खेत को आकार एवं समरूपता के आधार पर 1 से 2.5 एकड़ के खण्ड में बांट लेते हैं।
- प्रत्येक खण्ड को एक नम्बर या नाम देते हैं।
- प्रत्येक खण्ड से मिट्टी का एक नमूना तैयार किया जाता है।
- एक नमूना तैयार करने के लिये उस खंड में (जिसका नमूना तैयार करना है।) 10 से 20 स्थानों से आधा-आधा किलो मिट्टी इकट्ठी करते हैं।
- प्रत्येक स्थान से मिट्टी लेते समय मिट्टी की ऊपरी परत से कचरा एवं डंठल साफ कर देना चाहिए।
- साफ करने के बाद प्रत्येक स्थानर पर व्ही के आकार का 15-20 सेमी गहरा गड्ढा करते है।
- हर स्थान से गडढे के किसी भी किनारे से गहराई में ऊपर से नीचे तक की एक इंच मोटी मिट्टी की तह को प्लास्टिक की बाल्टी या कपड़े में इकट्ठा करते हैं।
- एकत्र मिट्टी का एक ढेर बनाकर (+) धन का निशान बनाते हुये ढेर को चार बराबर भागों में बांटते हैं।

# रामदास सोरेन के निधन से राजनीतिक जगत में शोक की लहर, मुख्यमंत्री समेत इन नेताओं ने जताया दुख

**जमशेदपुर, एजेंसी।** झारखंड के स्कूली शिक्षा व निबंधन मंत्री और घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामदास सोरेन का शुक्रवार को दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में निधन हो गया।62 वर्षीय झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता दो अगस्त को अपने जमशेदपुर स्थित आवास के बाथरूम में फिसलकर गिर गए थे, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी और मस्तिष्क में रक्तस्त्राव (ब्रेन हेमरेज) हुआ।

इसके बाद उन्हें तत्काल टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वहां 13 दिनों तक जीवन रक्षक प्रणाली (लाइफ सपोर्ट) पर रहने के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट में उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा, उनके लाखों चाहने वालों, शुभचिंतकों, कर्मठ कार्यकर्ताओं, स्कूली शिक्षा व निबंधन विभाग के सहयोगियों और हम सबके लिए यह एक व्यक्तिगत और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सोरेन को बचाने के लिए दिन-रात प्रयास किया।

रामदास सोरेन के निधन की खबर से झारखंड की राजनीति और उनके गृह क्षेत्र घाटशिला में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, रामदास सोरेन का जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक जमीन से जुड़े नेता थे और शिक्षा के विकास के लिए हमेशा समर्पित

रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी और कहा था कि उन्होंने अपोलो अस्पताल के निदेशक से बात कर बेहतर इलाज सुनिश्चित किया।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एक्स पर लिखा, हमारे बड़े भाई रामदास सोरेन की हालत गंभीर थी, लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी। उनका जाना एक बड़ा नुकसान है।

घाटशिला के पूर्व विधायक सह कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि ये अत्यंत दुखद समाचार है। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शोकाकुल परिवार को भगवान इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करे।

जमशेदपुर लोकसभा के सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के समाचार से गहरा दुख हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों, सहयोगियों और समर्थकों को यह दुख सहने की शक्ति दें। राज्य की शिक्षा व्यवस्था और जनसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य रहा है, जिसे झारखंड सदैव याद रखेगा।

झारखंड के गवर्नर ने ङ्क पर लिखा, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री श्री रामदास सोरेन जी के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर मैं अत्यंत मर्माहत हूँ। उनका जाना राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें।परिवार और पार्टी सूत्रों के अनुसार, रामदास सोरेन के पार्थिव शरीर को रांची लाया जाएगा, जहां अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद उनके पैतृक गांव घोड़ाबांधा से अंतिम संस्कार किया जाएगा

रामदास सोरेन का निधन झामुमो और झारखंड की राजनीति के लिए एक बड़ा झटका है। खासकर कोल्हान क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ और जनता के बीच लोकप्रियता ने उन्हें एक महत्वपूर्ण नेता बनाया था। चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के बाद झामुमो ने उन्हें कोल्हान में बड़ा नेतृत्व सौंपा था, जिसे अब भरना चुनौतीपूर्ण होगा।

राज्य भर में उनके चाहने वालों और कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उनके योगदान को शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में हमेशा याद रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

आखिरी बार रामदास सोरेन ने घाटशिला के तुपुनाय घाट की योजनाओं का किया था शिलान्यास

घाटशिला, एजेंसी। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन 27 जुलाई को अपने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आखिरी बार शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने घाटशिला के पावड़ा स्थित माझी परगना महाल भवन में अपने विधायक निधि की कई योजनाओं का शिलान्यास किया।

उसी दिन वे आखिरी बार झामुमो के घाटशिला संपर्क कार्यालय भी गए। जहां उन्होंने कैरम खेलने का आनंद लिया। इसके बाद उन्होंने घाटशिला स्थित माझी परगना महाल भवन विधायक निधि से सामाजिक कार्य के लिए धाद दिशोम के देश परगना बैजू मुर्मू को एक नई बोलेरो कार प्रदान की।

## गुरुजी के दशकर्म पर परंपरा निभाती दिखीं कल्पना सोरेन, संस्कार भोज की तैयारी पूरी

नेमरा (रामगढ़), एजेंसी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन स्थानीय रीति-रिवाज का निर्वहन कर रहे हैं. दशकर्म पर मुंडन के वक्त हेमंत सोरेन भावुक हो गए. उनकी आंखें नम हो गयीं. दिवंगत शिबू सोरेन की बहू विधायक कल्पना सोरेन ने भी दशकर्म पर परंपरा का निर्वहन किया. उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर के साथ रीति-रिवाज और परंपरा के निर्वहन की जानकारी दी है. उन्होंने लिखा है रीति-रिवाज और परंपरा का निर्वहन. वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें. 16 अगस्त को होनेवाले संस्कार भोज की तैयारी पूरी कर ली गयी है.

## चाईबासा में पुलिस ने हथियार किया बरामद : 4 एसएलआर राइफल और 527 कारतूस मिले

चाईबासा , एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के गोइलकेरा थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने हथियार बरामद किए हैं। 13 अगस्त को पोसैता और दुगनिया जंगल के बीच सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने भाकपा माओवादी के एरिया कमांडर अरुण उर्फ वरुण मदकम को मार गिराया था। मदकम छत्तीसगढ़ के सुकमा का रहने वाला था। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने चार एसएलआर राइफल और 527 जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा मैगजीन, खोखा, वर्दी, डेटोनेटर, पीडब्लू, बैटरी और अन्य सामान भी मिले। एसपी राकेश रंजन ने बताया कि जिला पुलिस और सीआरपीएफ संयुक्त रूप से नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। मुठभेड़ में कई अन्य नक्सली भी घायल हुए हैं, जो भाग निकले। पुलिस प्रशासन ने नक्सलियों से अपील की है कि वे मुख्यधारा में लौट आएं। सरेंडर पॉलिसी के तहत उन्हें और उनके परिवार को लाभ दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा, एसपी राकेश रंजन, एडिशनल एसपी अभियान पारस राणा और सीआरपीएफ के डीआईजी व कमांडेंट मौजूद थे।

## गुमला में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने फहराया तिरंगा:परेड का किया निरीक्षण

गुमला, एजेंसी। गुमला के परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। मंत्री ने परेड का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में गुमला की उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित, जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। मंत्री लिंडा ने अपने संबोधन में जिले की विकास योजनाओं की जानकारी साझा की। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। समारोह में सशस्त्र बल के जवानों और विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने आकर्षक परेड की प्रस्तुति दी। कस्तूरबा स्कूल की छात्राओं के घोष दल ने भी मनमोहक प्रस्तुति दी। मंत्री ने राज्यवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और महापुरुषों को नमन किया। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

## पाकुड़ में मंत्री दीपिका सिंह ने किया झंडोत्तोलन:परेड का निरीक्षण किया

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूली बच्चों ने सुबह प्रभात फेरी निकाली। जिला मुख्यालय में प्रधान जिला न्यायाधीश, उपायुक्त मनीष कुमार और एसपी निधि द्विवेदी ने ध्वजारोहण किया। मुख्य समारोह रानी ज्योतिर्मयी स्टेडियम में आयोजित किया गया। राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने एसपी निधि द्विवेदी के साथ परेड टुकड़ियों का निरीक्षण किया। इसके बाद मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। मंत्री ने अपने संबोधन में वीर शहीदों को नमन किया और दिशोम गुरु सोरेन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य झारखंड वासियों का निरंतर विकास है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में झारखंड राज्य अलग आंदोलन के आंदोलनकारी श्याम यादव को सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट सरकारी पदाधिकारियों और कर्मियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और बैंकों में भी ध्वजारोहण किया गया। स्वतंत्रता दिवस को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया. बच्चे नए-नए परिधान पहनकर उल्लास में डूबे रहे। जिला के सभी प्रखंड मुख्यालय में भी राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।

## जमशेदपुर के आदित्यपुर में दरोगा की मिली लाश

**जमशेदपुर, एजेंसी।** आदित्यपुर में शनिवार की सुबह बड़ा मामला सामने आया। यहां आरआईटी थाना से सटे जागृति मैदान के पास एक सब-इंस्पेक्टर का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अरुण कुमार सिंह के रूप में हुई, जो रांची से सरायकेला मालखाना का चार्ज देने आदित्यपुर आए थे। सुबह स्थानीय लोगों ने मैदान के उत्तरी हिस्से में स्थित एक मुर्गा दुकान के पीछे शव देखा और तुरंत आरआईटी थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

सब-इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह पुलिस विभाग के एक अनुभवी और ईमानदार अधिकारी माने जाते थे। वे पहले भी आरआईटी थाना में तैनात रह चुके थे और इलाके से अच्छी तरह परिचित थे। अगले वर्ष उनकी सेवा से सेवानिवृत्ति होनी थी। अचानक इस तरह उनका शव मिलने से पुलिस महकमे के साथ-साथ स्थानीय लोगों में भी गहरा आघात है। उनकी मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। अब तक मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि यह मामला आत्महत्या है, दुर्घटना है या फिर किसी साजिश का नतीजा। घटनास्थल से कई साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला जा रहा है। पुलिस का मानना है कि जांच में जुटी टीम को जल्द ही मौत की असली वजह का सुराग मिल सकता है।

इस घटना ने पूरे पुलिस महकमे को सकते में डाल दिया है। जिस अधिकारी ने लंबे समय तक विभाग को अपनी सेवाएं दीं, उनका इस तरह संदिग्ध हालात में शव मिलना गंभीर सवाल खड़े करता है। आरआईटी थाना क्षेत्र में हुई इस घटना से स्थानीय लोग भी चिंतित हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच जारी है।

# शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार भोज में पहुंचे राजनाथ सिंह, दुधमटिया से नेमरा तक भीषण जाम

**रांची, एजेंसी।** शिबू सोरेन के दशकर्म संस्कार में नेमरा में अभी तक एक दर्जन जिलों के एसपी-डीसी पहुंचे। इसके अलावा, अन्य जिलों से भी पदाधिकारी आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर दुमका, साहेबगंज और संताल के अन्य क्षेत्रों से राजनीतिक कार्यकर्ता जुटे हैं। दिशोम गुरु के संस्कार भोज को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके नेमरा स्थित आवास की ओर लोगों का भारी संख्या में आना जारी है।

शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार भोज में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहुंच गए हैं। शनिवार 1.30 बजे नेमरा में शिबू सोरेन के संस्कार भोज में लोगों की भीड़ उमड़ी है। 10 हजार से अधिक वाहनों से लोग पहुंचे हैं। दुधमटिया से नेमरा तक जाम लग गया है।

नेमरा में गुरुजी शिबू सोरेन के संस्कार भोज की शुरुआत हो गई है। इसके लिए लोग इंतजार कर रहे हैं। संस्कार भोज में एक तरफ से आगमन और दूसरी तरफ से निकासी द्वार बनाया

गया है, ताकि यहां आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़े।

योग गुरु बाबा रामदेव भी नेमरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जल-जंगल जमीन की रक्षा करने वाले महापुरुष शिबू सोरेन झारखंड ही नहीं पूरे देश के लिए एक आदर्श थे।

दिशोम गुरु के दशकर्म भोज में आम लोगों के लिए भोजन शुरू हो गया है। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं, भोज में बड़ी संख्या में लोगों का आना जारी है।

राज्यपाल राज्यपाल संतोष गंगवार रांची में शिक्षा मंत्री को श्रद्धांजलि देने के बाद नेमरा गए हैं। यहां पर राज्यपाल शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार भोज में हिस्सा लेने के लिए आए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे नेमरा पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि गुरु जी के पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने गुरु जी के समय के अपने पुराने दिनों को याद किया और कहा कि एक बार बक्सर की सभा मे गुरु जी ने कहा था कि वे लड़कर झारखंड लेंगे। उन्होंने जो कहा था करके दिखाया।

स्क्रीन पर दिशोम गुरु की जीवनी पर बनी शार्ट फिल्म का भी जगह-जगह प्रदर्शन चल रहा है। वहीं, सुरक्षा में तैनात जवानों-अधिकारियों के लिए पुलिस केंद्र से नाश्ता मंगवाया गया है। उन्हें संस्कार भोज का खाना नहीं खाना है। उनके लिए पुलिस केंद्र से ही भोजन आएगा।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विधायक उमाकांत रजक और मंगल कालिंदी भी आवास पहुंचे। वहीं, विधायक मथुरा प्रसाद महतो भी ऑटो से दिवंगत गुरु जी के आवास पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज दुख की घड़ी है। आज बाबा को याद करने के लिए लाखों लोग पहुंचेंगे। यहां से श्रद्धांजलि देने के बाद मंत्री रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि देने जाएंगे।आज भी उनके गांव से 10 किलोमीटर दूर ही सभी गाड़ियां को रोका जा रहा है। सिर्फ वीवीआइपी गाड़ियां ही गांव तक जा रही हैं।

# राहुल गांधी के बाद झारखंड कांग्रेस भी वोट चोरी पर चलाएगी अभियान, आज कैंडल मार्च से होगी शुरुआत

**धनबाद, एजेंसी।** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्यभर में वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान चलाने का फैसला किया है। पहले चरण में 14 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला और युवा संगठन के सदस्य कैन्डल मार्च निकालेंगे। दूसरे चरण में 22 अगस्त से 7 सितंबर तक राज्यभर में जन जागरूकता रैलियां होंगी, जिनका नेतृत्व वरिष्ठ नेता करेंगे। तीसरे चरण में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक घर-घर हस्ताक्षर अभियान चलाकर 5 करोड़ हस्ताक्षर जुटाए जाएंगे। इसके बाद इसकी प्रति राष्ट्रपति को सौंपी जाएगी।

शुरुआत गुरुवार को कैंडल मार्च से होगा। इस कड़ी में धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर कांग्रेसी कैंडल मार्च निकाल कर केंद्र सरकार के खिलाफ रोष जताएंगे। जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि प्रदेश कमेटी से मिले निर्देश के अनुसार गुरुवार को रणधीर वर्मा चौक पर विशाल कैंडल लाइट मार्च निकाला जाएगा। इसमें कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। सांसद, विधायक से लेकर पूर्व सांसद व पूर्व विधायक व अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी समेत कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता कैंडल मार्च में हिस्सा लेंगे। वहीं, 22 अगस्त से सात सितंबर तक विशाल वोट चोर गद्दी छोड़ नाम से रांची में राज्य स्तरीय रैली होगी।

इस रैली में सभी 24 जिलों से कांग्रेसी प्रतिनिधिमंडल अपने दमखम के साथ शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि रैली में भाजपा व चुनाव आयोग के गठजोड़ को उजागर करने की कोशिश होगी।

धनबाद के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी ने बताया कि पार्टी के निर्देश पर धनबाद समेत प्रदेश भर में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के निर्देश पर देश भर में अभियान चलेगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल वोट चोरी उजागर करने का मसला नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा का संकल्प है। अभियान में धनबाद के प्रखंड से लेकर मंडल व पंचायतों के स्तर पर भी अभियान चलाने की योजना बनी है।

## भाकपा माओवादी के खिलाफ झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, लूटे गए हथियार, कारतूस और नक्सली पर्चा बरामद

**चाईबासा, एजेंसी।** झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के खिलाफ झारखंड पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने भाकपा माओवादी एरिया कमांडर अरुण उर्फ वरुण उर्फ निलेश मदकम को मुठभेड़ में मार गिराने के बाद जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। इसमें भारी मात्रा में हथियार, कारतूस, मैगजीन, नक्सली पर्चा एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गयी है। 13 अगस्त को सुरक्षा बलों की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी। वे स्वतंत्रता दिवस पर वारदात को अंजाम देने के लिए इकट्ठा हुए थे।

झारखंड की चाईबासा पुलिस ने पुलिस से लूटे गए चार हथियार बरामद किए हैं। चाईबासा पुलिस ने नक्सलियों से अपील की है कि वे हिंसावादी विचारधारा को छोड़कर आत्मसमर्पण करें और झारखंड सरकार की नयी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ लेकर मुख्य धारा से जुड़ें। झारखंड सरकार के द्वारा आत्मसमर्पण नीति को और अधिक सुगम बनाया गया है। आत्मसमर्पित नक्सली को 24 घंटे के अंदर ओपन जेल में शिफ्ट किया जा सकेगा। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान/सारंडा क्षेत्र में पुलिस एवं सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने तथा राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए लगातार भ्रमणशील हैं। इस दस्ते पर प्रभावी कार्रवाई के लिए समय-समय पर प्राप्त सूचना के आधार पर झारखंड पुलिस, कोबरा, सीआरपीएफ एवं झारखंड जगुआर इत्यादि बलों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।

## झारखंड के पलामू में डबल मर्डर, सास और दामाद की मौत से पसरा मातम, जांच में जुटी पुलिस

**छतरपुर(पलामू), एजेंसी।** पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के देवताही गांव में शुक्रवार को अशोक प्रजापति की पत्नी सुशीला देवी (45 वर्ष) और उसके दामाद प्रमोद प्रजापति (30 वर्ष) के बीच घरेलू विवाद में दामाद ने कुदाल से अपनी सास पर हमला कर दिया। इससे सास की मौत हो गयी। घटना के दौरान छीना-झपटी में दामाद प्रमोद प्रजापति के सिर पर चोट लगने से उसकी भी मौत हो गयी। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देवताही निवासी अशोक प्रजापति की बेटी की शादी तीन साल पहले बिहार के औरंगाबाद जिले के रिसियप थाना क्षेत्र के खेतपुरा गांव के रहनेवाले प्रमोद प्रजापति के साथ हुई थी। उसकी पत्नी कुछ महीने पहले से मायके में रह रही थी। दामाद प्रमोद राजस्थान में सूत फैक्ट्री में नौकरी करता था। दो दिन पहले वह अपने ससुराल आया था। शुक्रवार की सुबह किसी बात को लेकर घर में विवाद हो गया। इससे आवेश में आकर प्रमोद प्रजापति ने अपनी सास सुशीला देवी पर घर में रखे कुदाल से हमला कर दिया। इससे सुशीला देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना के बाद छीना-झपटी में प्रमोद प्रजापति के सिर पर गंभीर चोट लग गयी। इससे उसकी भी मौत हो गयी। घायल सुशीला देवी को इलाज के लिए मेदिनीनगर ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गयी।मृतका के परिजनों ने बताया कि दामाद प्रमोद प्रजापति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह अक्सर छोटी-छोटी बात पर झगड़ा करता रहता था।

# महावीर शामी कला से बिखेर रहे संस्कृति में रंग, दीवारों पर दिख रही है महापुरुषों की झलक

**धनबाद, एजेंसी।** झारखंड की संस्कृति दीवारों पर उकेर सदियों पुरानी सोहराय कला धनबाद के बाघमारा में रहने वाले कलाकार महावीर शामी सहेज रहे हैं। इनकी ख्याति माटी चित्रकार के रूप में हो चुकी है। कला के प्रति जुनून ऐसा कि नौकरी छोड़ दी। खुद को इस मिशन के लिए समर्पित कर दिया है।

गांव-गांव जाकर बिना पारिश्रमिक लिए सांस्कृतिक चित्रकारी कर रहे हैं। तीन साल में राज्य के नौ जिलों के करीब 200 गांवों में 55 हजार वर्ग फीट दीवारों में रंग भरे हैं। महावीर ने पंचायत भवन, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, सार्वजनिक स्थल के अलावा जहां भी जगह मिली, वहां देश व प्रदेश के महापुरुषों, त्योहारों, जनजातीय नृत्य, लोककथाओं को अपने ब्रश से जीवंत किया। महावीर का लक्ष्य झारखंड के 32,640 गांवों में इस सांस्कृतिक अभियान को पहुंचाना है।

अपनी कला सीमेंट पर भी वे उकेर रहे। आखिर सोहराय कला को अमर करने का संकल्प जो लिया है। दीवारों पर सीमेंट की कटिंग कर महापुरुषों की भी छवि उकेरते हैं। महावीर ने बताया अभी तक सीमेंट पर सोहराय चित्रकारी नहीं हुई है। तीन दिन में लगभग 100 फीट दीवार की कटिंग कर लेते हैं। इसके बाद रंग भरते हैं।

जहां पुरखों ने माटी की दीवारों पर इतिहास रचा। वहीं, हम सीमेंट और ईंटों की पक्की दीवारों पर सहेज रहे हैं, ताकि 20 पीढ़ियां भी इसे भूल न पाएं। हम कौन थे, कहां से आए थे और कितनी मजबूत थीं हमारी सांस्कृतिक जड़ें, यह आने वाली पीढ़ियों को बताना आवश्यक है।

सोहराय कला सिर्फ चित्र नहीं, आदिवासियों की आत्मा, स्त्री की भावनाएं और प्रकृति के साथ संवाद है। जब यह पानी से मिट जाती है, तो लगता है जैसे हमारी पहचान बह गई। अब यह नहीं मिटेगी। पक्की दीवारों, स्कूलों, सार्वजनिक भवनों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक स्थलों पर उकेरी जा रही है।

# ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने का शानदार मौका, स्कॉलरशिप के लिए करें अप्लाई

**भारतीय छात्रों के बीच विदेश में पढ़ाई का क्रेज काफी बढ़ता ही जा रहा है। अधिकतर छात्रों को ऐसा लगता है कि विदेश में पढ़ने और डिग्री लेने के बाद उन्हें बेहतर नौकरी मिल सकती है। लगभग 83 फीसदी भारतीय छात्रों का मानना है कि विदेश से डिग्री हासिल करने के बाद बेहतर नौकरी हासिल करने की उनकी संभावनाएं बढ़ेंगी। यही कारण है कि छात्र एजुकेशन लोन या फिर स्कॉलरशिप का विकल्प चुन रहे हैं। भारतीय छात्रों के लिए ऑस्ट्रेलिया एक अच्छा विकल्प है।**

कैनबरा विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वाइस-चांसलर की सोशल चैंपियन स्कॉलरशिप ऑफर कर रहा है। भारत के इच्छुक छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट canberra.edu.au पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

## कौन कर सकता है अप्लाई?

छात्रों को न्यूनतम 80 प्रतिशत औसत (या समकक्ष) के साथ कार्यक्रम की शैक्षणिक आवश्यकता को पूरा करना होगा। इच्छुक उम्मीदवारों को यह याद रखना चाहिए कि वे इस स्कॉलरशिप के लिए तभी आवेदन कर सकते हैं जब उनके पास आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए यूनिवर्सिटी से एक ऑफर लेटर हो।

## मिलेगी इतनी राशि

इस स्कीम के तहत, तीन स्कॉलरशिप हैं जो यूनिवर्सिटी में पहले सेमेस्टर की पढ़ाई के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ऑफर की जा रही हैं। स्कॉलरशिप की कुल कंबाइंड वैल्यू 200,000 (लगभग 1 करोड़ रुपये तक) प्रति छात्र है, जिसमें ज्यादातर छात्रों के सभी प्रमुख खर्चों जैसे पाठ्यक्रम की अवधि के लिए ट्यूशन फीस, कैंपस में रहने की व्यवस्था और .10,000 (ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) का भत्ता शामिल हैं।

## ऐसे होगा सेलेक्शन

शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को अक्टूबर के अंत में एक इंटरव्यू के लिए संपर्क किया जाएगा और नवंबर में स्कॉलरशिप का फाइनल रिजल्ट आ जाएगा।

## ऐसे करें अप्लाई

इच्छुक छात्र यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट canberra.edu.au पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं।

**देश को प्रतिवर्ष कई प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं का सामना करना पड़ता है। इसमें जहां सैकड़ों इंसान व जानवरों की मौत होती है, वहीं करोड़ों- अरबो रूपए के धन-संपति का भी नुकसान होता है। ऐसी विभीषिकाओं के शिकार बने लोगों की मदद करने, उन्हें उबारने और उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाने में आपदा प्रबंधन से जुड़े लोगों का बड़ा हाथ होता है। यही कारण है कि आज सरकार, एनजीओ व अनेक निजी संस्थान आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दे रहे हैं। जिसके कारण इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।**

# आपदा प्रबंधन क्षेत्र में कॅरियर के साथ सेवा का अवसर भी

देश को प्रतिवर्ष कई प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं का सामना करना पड़ता है। इसमें जहां सैकड़ों इंसान व जानवरों की मौत होती है, वहीं करोड़ों- अरबो रूपए के धन-संपत्ति का भी नुकसान होता है। ऐसी विभीषिकाओं के शिकार बने लोगों की मदद करने, उन्हें उबारने और उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाने में आपदा प्रबंधन से जुड़े लोगों का बड़ा हाथ होता है। यही कारण है कि आज सरकार, एनजीओ व अनेक निजी संस्थान आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दे रहे हैं। जिसके कारण इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ये लोग आपदा में फंसे लोगों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के साथ आवश्यक मानवीय सहयोग भी उपलब्ध कराते हैं। अगर आपके मन में मानव सेवा का जज्बा है तो आप आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अवसर तलाश कर सकते हैं।

प्रकृति का विनाशकारी रूप कभी भी बताकर नहीं आता। अक्सर आप लोग कहीं न कहीं भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ आने या अकाल आदि की खबरें सुनते होंगे। ऐसे समय में जिनकी सबसे ज्यादा आवश्यकता महसूस होती है, वे होते हैं आपदा प्रबंधक। ये लोग आपदा में फंसे लोगों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के साथ आवश्यक मानवीय सहयोग भी उपलब्ध कराते हैं। अगर आपके मन में मानव सेवा का जज्बा है तो आप आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अवसर तलाश कर सकते हैं।

## क्या होता है काम

आपदा प्रबंधक का मुख्य काम प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करना होता है। साथ ही वे आपदा के शिकार लोगों की न सिर्फ जान बचाते हैं, बल्कि राहत कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। उनका कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि समस्त आवश्यक सहायक साधन और सुविधाएं सही समय पर आपदाग्रस्त क्षेत्र में उपलब्ध हों। वैसे आपदा प्रबंधक का कार्य देखने में जितना आसान लगता है, वह वास्तव में उतना ही कठिन होता है। आपदा प्रबंधक का कार्य बेहद जोखिम भरा होता है। कभी-कभी तो उन्हें अनजान खतरों का सामना भी करना पड़ता है, जिसमें उन्हें अपनी जान का जोखिम भी लेना पड़ता है। इतना ही नहीं, अक्सर दूसरों की जान बचाने के चक्कर उनकी खुद की जान भी चली जाती है। इसलिए यह क्षेत्र केवल उन्हीं लोगों के लिए है, जो अपनी जान से ज्यादा दूसरों की जान को महत्व देते हैं।

## स्किल्स

एक बेहतर आपदा प्रबंधक बनने के लिए आपके मन में जनसेवा का भाव होना बेहद आवश्यक है। साथ ही आपको शारीरिक व मानसिक रूप से बेहद स्ट्रांग भी होना चाहिए ताकि आप अत्यधिक दबाव व तनावपूर्ण स्थितियों में बिना आपा खोए अपना कार्य सही ढंग से कर सकें। आपका कार्य करने का उत्साह व दूसरों की मदद करने का जज्बा कभी भी फीका नहीं पड़ना चाहिए।

## योग्यता

इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे छात्रों का 12वीं में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। इसके बाद आप सर्टिफिकेट, डिप्लोमा से लेकर मास्टर्स डिग्री तक कर सकते हैं। वैसे इस क्षेत्र में शॉर्ट टर्म कोर्सेस से लेकर डिस्टेंस लर्निंग कोर्स भी उपलब्ध हैं।

## कोर्स

- सर्टिफिकेट कोर्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट
- एमए इन डिजास्टर मैनेजमेंट
- एमबीए इन डिजास्टर मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट

## संभावनाएं

कोर्स करने के पश्चात् आप सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। देश के विभिन्न सरकारी विभाग जैसे फायर डिपार्टमेंट या सूखा प्रबंधन क्षेत्र में हमेशा ही प्रोफेशनल्स की डिमांड बनी रहती है। चूंकि प्राकृतिक आपदाएं दुनिया के किसी भी हिस्से में हो सकती हैं, इसलिए डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की डिमांड विदेशों में भी होती हैं। आप चाहें तो वहां के एनजीओ, यूएनओ राहत एजेंसियों, एमनेस्टी इंटरनेशनल, रेड क्रॉस या यूनेस्को आदि के साथ जुड़कर भी कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप टीचिंग और रिसर्च क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश कर सकते हैं।

## आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी से अधिक आत्मिक शांति ज्यादा महत्व रखती है। जहां तक सवाल आमदनी का है तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस संस्था के साथ जुड़कर कार्य कर रहे हैं। फिर भी शुरूआती तौर पर आप दस हजार से लेकर बीस हजार रुपए आसानी से कमा सकते हैं। वहीं थोड़े अनुभव के पश्चात् आपका पद व आमदनी भी बढ़ जाती है।

## भारत में बहुत जरूरी

भारत में लोगों को हर साल डिजास्टर फेस करना पड़ता है। भू-स्खलन, बाढ़, भूकंप, सुनामी जैसी आपदों में से कुझ ऐसी हैं जो हर साल आती हैं। इसके अलावा भी आपदाएं कम नहीं है। मैन मेड आपदाएं घटित होती ही रहती हैं। कहीं आग लग जाती है, कहीं एक्सीडेंट। पूरा जीवन ही आपदाओं से भरा हुआ है। बीस सालों में आपदाएं पांच गुना बढ़ी हैं। सरकार को इसके लिए जीडीपी का 25 फीसदी खर्च करना पड़ता है।

# विदेश में इंटर्नशिप क्यों है फायदेमंद?

**विदेश में आज भी इंटर्नशिप मुफ्त हैं, यहां आप विदेश में अध्ययन करने के लिए इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त कर सकते हैं और विदेश में अध्ययन करते समय आय भी बढ़ा सकते हैं।**

विदेश में इंटर्नशिप करने का यह फायदा है कि आपको अच्छी जॉब्स मिलती हैं। विदेश में इंटर्नशिप के बाद नई-नई चीजें सीख सकते हैं और अनुभवी लोगों के साथ काम कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंटर्नशिप दुनिया के विभिन्न संगठनों द्वारा डिज़ाइन किए गए प्रोग्राम हैं, जो उन छात्रों को अवसर प्रदान करते हैं, जो आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य इच्छुक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना है। विदेश में आज भी इंटर्नशिप मुफ्त हैं, यहां आप विदेश में अध्ययन करने के लिए इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त कर सकते हैं और विदेश में अध्ययन करते समय आय भी बढ़ा सकते हैं।

## विदेश में इंटर्नशिप क्यों है फायदेमंद

विदेश में इंटर्नशिप आपको अपने अध्ययन के क्षेत्र में स्किल्स प्राप्त करके, उसे फिर से शुरू करने और अध्ययन करने के दौरान एक आय बढ़ाने के अवसरों का अनुभव करने में मदद करती है। इसके अलावा, विदेशों में मुफ्त इंटर्नशिप आपको अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट देती है, जो आपके लिए विश्व स्तरीय ट्यूटर्स से सीखने के अनुभव और स्किल्स प्राप्त करना आसान बनाता है। विदेश में मुफ्त इंटर्नशिप बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपको उन लोगों से मिलने का अवसर प्रदान करती है, जो अनुभवी हैं। ऐसा करने से आपके नेटवर्क बनते हैं और आप एक पेशेवर के रूप में खुद को तैयार करते हैं। साथ ही अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और स्किल्स डेवलप करते हैं।

## अपने क्षेत्र को पहचानें

आप जिस भी क्षेत्र में रुचि रखते हैं वहां आपको इंटर्नशिप प्लेसमेंट के बेहतरीन मौके मिलेंगे। विदेशों में इंटर्न करने के लिए आपके चुनाव में विविधता एक बहुत बड़ा प्रभावक बन सकता है। आज के समय में कई इंटर्नशिप और प्लेसमेंट प्रदाता हैं, जो विदेश में आपके लिए किसी भी संगठन में सही इंटर्नशिप करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

## वैश्विक नेटवर्क बढ़ता है

कोई भी इंटरनेशनल इंटर्नशिप आपको वैश्विक नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करेगी, जिसका आप सपना देख रहे हैं। यह आपको किसी भी निवेशक, नियोक्ता, सलाहकार और प्रभावशाली फील्ड के एक्सपर्ट से मिलवा सकती है। यहां आप अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और अच्छी जॉब हासिल कर सकते हैं।

## अच्छी जॉब संभावनाएं

आज के समय में सिंगापुर, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई देश है जो दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां इंटर्नशिप करने का मौका देते हैं। ये देश हर साल अपने दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट और वर्चुअल इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित करते हैं। इन इंटर्नशिप के बाद रोजगार पाने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि यह छात्रों के इंटर्न के दौरान उनके स्किल और प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है।

## इंटर्नशिप के लिए कहां देखें

आप एक इंटर्नशिप खोजने के लिए कुछ अलग मार्गों पर जा सकते हैं जो आपके लिए सही है या उनमें से एक संयोजन का प्रयास करें। अपने स्कूल के किसी सलाहकार से बात करें कि आप किस तरह के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। कुछ बिजनेस स्कूल इंटर्नशिप के लिए कंपनियों के साथ साझेदारी करते हैं, जिनमें से कुछ विदेश में हो सकते हैं। यदि आप पहले से ही विदेश में पढ़ रहे हैं या एक एक्सचेंज प्रोग्राम पर, भले ही सिर्फ एक या दो सेमेस्टर के लिए, यह उस स्कूल में करियर सलाहकार से बात करने में मदद करता है ताकि यह पता चल सके कि निकट भविष्य में कोई अवसर उपलब्ध हो सकता है या नहीं।

# 12 पैसे से 5 साल में 43 रुपये के पार पहुंच गया यह शेयर

## निवेशक हुए मालामाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेनी स्टॉक हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स ने अपने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर पांच साल में 12 पैसे से बढ़कर 43 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 36000 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 63.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 32 रुपये है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स अपने शेयर का



बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) भी कर चुकी है।

**1 लाख रुपये के बना दिए 3.5 करोड़ रुपये से ज्यादा-** हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर 14 अगस्त 2020 को 12 पैसे पर थे। कंपनी के शेयर 14 अगस्त 2025 को द्वस्श्व में 43.62 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 14 अगस्त 2020 को हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 3.63 करोड़ रुपये होती। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 18.05 पर्सेंट है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 81.95 पर्सेंट है।

# दिल्ली की खाक छानकर लौट आए अपने शहर

## पत्नी के साथ इस काम की डाली नींव, अब करोड़ों का साम्राज्य

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नितिन और जिया पमनानी ने अपनी मेहनत और सूझबूझ से सफल ऑनलाइन कारोबार खड़ा किया है। लंबे समय तक दिल्ली में खाक छानने के बाद पति-पत्नी ने बड़ा फैसला लिया। दिल्ली की चमक-धमक छोड़कर दोनों 2011 में वापस अपने शहर ग्वालियर लौट आए। उन्होंने लौटकर हस्तशिल्प वस्तुएं बेचने के लिए एक ऑनलाइन स्टोर शुरू करने का फैसला किया। 2012 में कपल ने आईटोकरी की शुरुआत की। नितिन के पिता की राइस मिल के एक हिस्से से सिर्फ चार लोगों के साथ इसे शुरू किया गया था। यह मिल पुराने ग्वालियर के हैदरगंज इलाके में स्थित है। आज प्लेटफॉर्म देशभर के लगभग 10,000 कारीगरों के साथ काम करता है। इसका करोड़ों का टर्नओवर है। आइए, यहां नितिन और जिया पमनानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

**वापस लौटने का ये था कारण-** नितिन पमनानी पहले डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकर थे। साल 2011 में अपनी पत्नी जिया के साथ दिल्ली की चकाचौंध छोड़कर वह अपने गृहनगर ग्वालियर लौट आए। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और माता-पिता के पास



रहने की इच्छा ने उन्हें यह फैसला लेने के लिए प्रेरित किया। ग्वालियर लौटने के बाद इस युवा कपल ने मिलकर अनोखा बिजनेस शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने देखा कि भारत के ग्रामीण कारीगरों के पास अपने हुनर को दिखाने के लिए सही मंच नहीं है। इसी सोच के साथ उन्होंने 2012 में द्वअश्वह्हद्व नाम का ऑनलाइन स्टोर शुरू किया। इसका मकसद इन कारीगरों के उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाना था। शुरुआत में यह बिजनेस बहुत छोटा था। इसे नितिन के पिता की चावल मिल के एक हिस्से से 20 लाख रुपये के निवेश से शुरू किया गया था।

**लोगों ने उड़ाया मजाक-** नितिन और जिया को शुरुआत में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उनके इस विचार का कई लोगों ने मजाक उड़ाया। यहां तक कि नितिन के पिता को भी इस पर शक था। दरअसल, ग्वालियर में उस समय ई-कॉमर्स का कोई खास इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं था। इसके चलते सामान भेजना एक बड़ी समस्या थी।

### बिजनेस मॉडल काफी अलग

द्वअश्वह्हद्व का बिजनेस मॉडल काफी अलग और ग्राहक-केंद्रित है। नितिन और जिया उन सभी उत्पादों को पहले ही खरीद लेते हैं, जो उनकी वेबसाइट पर लिस्ट किए जाते हैं। इससे जैसे ही कोई ग्राहक ऑर्डर करता है, उत्पाद तुरंत भेज दिया जाता है। इससे डिलीवरी में देरी नहीं होती। यह मॉडल दूसरे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से अलग है, जहां ऑर्डर मिलने के बाद ही सामान लिया जाता है। द्वअश्वह्हद्व ने कारीगरों को केवल पैसे कमाने का मौका नहीं दिया, बल्कि उन्हें सम्मान और पहचान भी दिलाई। कंपनी ने उन्हें बिजनेस से जुड़ी कई चीजें भी सिखाई हैं, जैसे जीएसटी रिटर्न भरना और इनवॉइस बनाना। इससे कारीगर अब छोटे व्यवसायी बन रहे हैं।

### अब करोड़ों का साम्राज्य

आज द्वअश्वह्हद्व ने छोटी शुरुआत से बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। यह प्लेटफॉर्म देशभर के लगभग 500 कारीगर समूहों से जुड़े 10,000 कारीगरों के साथ काम कर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का टर्नओवर 27 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। द्वअश्वह्हद्व विभिन्न राज्यों की खास कलाओं जैसे गुजरात की अजरख, आंध्र प्रदेश की कलमकारी, मध्य प्रदेश की बाग प्रिंट और पंजाब की फुलकारी को एक मंच पर लाता है। नितिन के लिए फिल्म बनाने से ज्यादा संतोष कारीगरों को बेहतर जीवन देने में मिलता है। द्वअश्वह्हद्व के जरिए बिचौलियों को हटा दिया गया है। इससे कारीगरों की कमाई दोगुनी या तिगुनी हो गई है।

# भारत में पहली बार 4जी सेवा शुरू करने वाले अभिजीत किशोर पर वोडाफोन आइडिया ने खेला है दांव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी वोडाफोन आइडिया का नाम तो जानते ही होंगे। इस कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी ने अपने नए सीईओ के नाम की घोषणा कर दी है। इस समय कंपनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर पद की जिम्मेदारी संभालने वाले अभिजीत किशोर, नए सीईओ होंगे। वह अक्षय मूंदड़ा का स्थान लेंगे।



### कब से प्रभावी होगा कार्यकाल

वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को दी गई एक सूचना में इस डेवलपमेंट की जानकारी दी है। सूचना में बताया गया है कि अभिजीत किशोर, अक्षय मूंदड़ा की जगह लेंगे। उल्लेखनीय है कि अक्षय मूंदड़ा का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। मूंदड़ा को 19 अगस्त 2022 को तीन साल के लिए सीईओ बनाया गया था। उनका कार्यकाल 18 अगस्त 2025 को खत्म हो रहा है। मतलब कि 19 अगस्त से अभिजीत किशोर कंपनी के सीईओ बन जाएंगे।

### क्या बताया कंपनी ने

एक्सचेंज की फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि यह फैसला 14 अगस्त को हुई बोर्ड मीटिंग में लिया गया। फाइलिंग में यह भी कहा गया है कि कंपनी की नॉमिनेशन और रेमुनरेशन कमेटी ने किशोर के नाम की सिफारिश की थी। कंपनी के अनुसार, 卐अक्षय मूंदड़ा का तीन साल का कार्यकाल 18 अगस्त 2025 को खत्म हो रहा है, इसलिए यह नियुक्ति जरूरी थी।卐 अभिजीत किशोर को तीन साल के लिए सीईओ बनाया गया है। वे 19 अगस्त 2025 से अपना पद संभालेंगे।

# क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड से भारत में विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने की उम्मीद

## बीओबी के अर्थशास्त्री का दावा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एसएंडपी द्वारा हाल ही में क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड किए जाने के बाद भारत में विदेशी पूंजी प्रवाह में तेजी आने की संभावना है। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की अर्थशास्त्री सोनल बधान ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि इससे देश के लिए उधार लेने की लागत में भी कमी आने की उम्मीद है। बधान ने कहा कि इस अपग्रेड से भारत की 'मजबूत बुनियाद' और 'विकास गति' पर भरोसा बढ़ा है। इससे विदेशी पूंजी निवेश पर अल्पकाल और दीर्घकाल दोनों में सकारात्मक असर पड़ेगा।



इस वर्ष एफपीआई निवेश में वृद्धि और बॉन्ड यील्ड में गिरावट की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार और कॉरपोरेट दोनों के लिए उधार लेने की लागत कम होगी।

**आरबीआई के आंकड़े-** वित्त वर्ष 2024-25 (जुलाई-सितंबर 2024) की दूसरी तिमाही के लिए आरबीआई के वार्षिक वित्तीय खाता डेटा से संकेत मिलता है कि शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 2.2 अरब डॉलर की बिकवाली दर्ज हुई। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में इसी तिमाही के दौरान 0.8 अरब डॉलर की बिकवाली दर्ज हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 81.04 अरब डॉलर का अनंतिम एफडीआई प्रवाह दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 2023-24 के 71.28 अरब डॉलर से 14 प्रतिशत अधिक है।

# डॉलर और सोने में हुई बढ़ोतरी तो 4.74 अरब डॉलर बढ़ गया अपना विदेशी मुद्रा भंडार

**मुंबई, एजेंसी।** जिस दिन पूरा देश 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, उसी दिन विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर अच्छी खबर मिली। बीते आठ अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 4.74 अरब डॉलर से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह एफसीए और सोने के भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। बीते एक अगस्त को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 9.3 बिलियन की भारी कमी हुई थी।

### कहां पहुंच गया भंडार

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 8 अगस्त 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.747 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 9.322 बिलियन की कमी हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 693.618 बिलियन का हो



गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन के रेकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में बढ़ोतरी हुई है। आठ अगस्त 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीएएस में 2.372 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले इसमें 7.319 बिलियन की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 583.979 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

### गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा

बीते सप्ताह अपने गोल्ड रिजर्व या स्वर्ण भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते आठ अगस्त को अपने सोने के भंडार में 2.162 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 1.706 बिलियन की कमी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर स्ष्ठ86.160 बिलियन का हो गया है।

### एसडीआर में भी बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (स्ष्ठक्र) में भी बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में 169 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18.741 बिलियन डॉलर का हो गया है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 237 मिलियन डॉलर की कमी हुई थी। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 45 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 4.739 बिलियन का हो गया है।

# गुजरात की कंपनी को ओएनजीसी ने दिया बड़ा ऑर्डर, 10 रुपये के स्तर पर है शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी- आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लिमिटेड के शेयर पेनी कैटेगरी के हैं। इस शेयर की कीमत 10 रुपये के स्तर पर है। हालांकि, कंपनी को अकसर बड़ी कंपनियों से ऑर्डर मिलते रहते हैं। इसी कड़ी में अब ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड यानी ओएनजीसी से बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर 50 करोड़ का है। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक ऑर्डर अहमदाबाद एसेट के लिए 50 मीट्रिक टन वर्कओवर रिग की सेवाएं किराए पर लेने के लिए है। इस ऑर्डर की अवधि 5 साल के लिए है। मतलब ये हुआ कि प्रति वर्ष 10 करोड़ रुपये का ऑर्डर है। इससे पहले, कंपनी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एक घरेलू इकाई, ऑयल इंडिया लिमिटेड से एक लेटर ऑफ अवार्ड प्राप्त हुआ था। लगभग 33.70 करोड़ रुपये मूल्य के इस दो-वर्षीय सर्विस कॉन्ट्रैक्ट में सहायक उपकरणों सहित एक हाई प्रेशर मोबाइल बॉयलर प्रोवाइड करना शामिल है।

**शेयर की कीमत-** आकाश एक्सप्लोरेशन सर्विसेज लिमिटेड के शेयर की बात करें तो एनएसई पर 10.37 रुपये के स्तर पर है। जून 2025 में शेयर 13.79 रुपये के उच्चतम स्तर तक गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। वहीं, 3 जून को शेयर 7.06 रुपये पर आ गया।

# 1695 प्रतिशत की तूफानी तेजी

## 118 रुपये से 2100 के पार पहुंचे सोलर कंपनी के शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी ओरियाना पावर दो साल पहले ही शेयर बाजार में उतरी है। सोलर कंपनी ने दो साल में ही अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दे दिया है। कंपनी के शेयर दो साल में 1695 पर्सेंट से अधिक



चढ़ गए हैं। आईपीओ में ओरियाना पावर के शेयर का दाम 118 रुपये था। कंपनी के शेयर 14 अगस्त 2025 को 2125 रुपये पर बंद हुए हैं। ओरियाना पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2797 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1000 रुपये है।

**सोलर कंपनी के आईपीओ पर लगा था 176 गुना से ज्यादा दांव-** ओरियाना पावर का आईपीओ 1 अगस्त 2023 को खुला था और यह 3 अगस्त 2023 तक ओपन रहा। आईपीओ में ओरियाना पावर के शेयर का दाम 118 रुपये था। कंपनी का आईपीओ टोटल 176.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 204.04 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, गैर संस्थागत निवेशक (नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 251.74 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। ओरियाना पावर लिमिटेड के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 72.16 गुना दांव लगा।

**पहले ही दिन निवेशकों को हुआ 168 प्रतिशत का फायदा-** ओरियाना पावर लिमिटेड के शेयरों ने पहले ही दिन निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्ष्ठ्ठ प्लेटफॉर्म पर 302 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर उछाल के साथ 317.10 रुपये पर बंद हुए। यानी, 118 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले ओरियाना पावर के शेयर पहले ही दिन 168.73 प्रतिशत चढ़ गए। ओरियाना पावर के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर थे।

# जुलाई में यात्री वाहन बिक्री में हल्की गिरावट, लेकिन दोपहिया और निर्यात ने पकड़ी रफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कमजोर मांग से देशभर यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई, 2025 में सालाना आधार पर मामूली घटकर 3,40,772 इकाई रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,41,510 यात्री वाहन बिके थे। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले की तुलना में 9 फीसदी बढ़कर 15,67,267 इकाईपहुंच गई। जुलाई, 2024 में कुल 14,41,694 दोपहिया वाहन बिके थे। इस दौरान 6,43,169 स्कूटर बिके, जो सालाना आधार पर 16 फीसदी की वृद्धि है। मोटरसाइकिल की बिक्री पांच फीसदी बढ़कर 8,90,107 इकाई पहुंच गई। बीते महीने 69,403 तिपहिया वाहन बिके।यह आंकड़ा जुलाई, 2024 में बिके 59,073 तिपहिया वाहनों की तुलना में 17.5 फीसदी अधिक है।



### कार निर्यात 8 फीसदी बढ़ा

बीते महीने देश से कारों का निर्यात 9 फीसदी बढ़कर 36,184 इकाईपहुंच गया ।यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में 9.1 फीसदी और वैन में 15.5 फीसदी की तेजी रही। देश से दोपहिया वाहनों का निर्यात 33.5 प्रतिशत बढ़कर 4,33,873 इकाईपहुंच गया ।तिपहिया वाहन निर्यात में 47 फीसदी की वृद्धि रही।

# अमेरिकी ब्रांड का भारत में बॉयकॉट कितना असंभव?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, काफी भारतीय गुस्से में हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी चल गया है कि भारतीयों को अमेरिकी ब्रांड का बॉयकॉट करना चाहिए। इनमें मैकडॉनल्ड्स, कोका-कोला, अमेज़न, एप्पल, स्टारबक्स आदि शामिल हैं। अमेरिकी ब्रांड आज भारत के लगभग हर घर में एंट्री मार चुके हैं। स्थिति यह है कि आज इनके बिना लाइफ में कल्पना करना भी संभव नहीं है। वहीं इन ब्रांड का भारत में कारोबार खूब फैल रहा है।

### घर-घर में अमेरिकी ब्रांड

बात जब अमेरिकी ब्रांड की आती है तो हम टेक्नोलॉजी से मुंह नहीं मोड़ सकते। स्मार्टफोन से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग हो या फिर खाने-पीने के बड़े ब्रांड, लगभग सभी आज जरूरी चीजें बन गए हैं।

1. **सोशल मीडिया-** सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हॉट्सऐप आदि आज बेहद जरूरी हो गए हैं। वहीं चैटजीपीटी, लिंक्डइन, एमएस ऑफिस आदि के बिना आज ऑफिस के काम से जुड़ी लगभग सारी चीजें अधूरी लगती हैं। ये सारे अमेरिकी ब्रांड हैं। सोचिए, क्या आज हम लोग व्हॉट्सऐप के बिना रह सकते हैं? क्या इंस्टाग्राम और फेसबुक के बिना सोशल मीडिया की लाइफ पूरी होगी? शायद नहीं, क्योंकि अब ये हमारी जरूरत बन गए हैं। ये सब मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा के ब्रांड हैं।
2. **ऑनलाइन शॉपिंग-** ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में भी अमेरिकी ब्रांड अमेजन और फ्लिपकार्ट सबसे आगे हैं। आप सोचेंगे कि फ्लिपकार्ट तो भारतीय कंपनी है। हां है, लेकिन आज इसकी मालिक अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट है। फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट की हिस्सेदारी करीब 78 फीसदी है। अगर भारत में ईकॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी की बात करें तो सबसे आगे फ्लिपकार्ट है। इसकी हिस्सेदारी करीब 48 फीसदी है। दूसरे नंबर पर अमेजन है।
3. **आईफोन-** भारत में आज आईफोन रखना आम बात हो गई है। चूंकि आईफोन का प्रोडक्शन भारत में भी होने लगा है। ऐसे में आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल के लिए भारत एक महत्वपूर्ण देश हो गया है। भारत में आईफोन यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। माना जा रहा है कि साल 2025 के आखिर तक देश में आईफोन यूजर्स की संख्या करीब 1.50 करोड़ हो जाएगी।
4. **खाने-पीने की चीजें-** खाने-पीने की चीजों में भी अमेरिकी ब्रांड्स को नहीं छोड़ा जा सकता। बात चाहे मैकडॉनल्ड्स, केएफसी, पिज्जा हट, डोमिनोज की हो या स्टारबक्स या पेप्सी या कोका-कोला की। ये अमेरिकी ब्रांड आज घर-घर में पहुंच चुके हैं। फास्ट-फूड के मामले में अमेरिकी ब्रांड भारत में छाए हुए हैं। वहीं बेवरेजेस (पेय पदार्थ) में भी अमेरिकी ब्रांड काफी आगे हैं। कोल्ड ड्रिंक्स में तो आज भी अमेरिकी ब्रांड भी लोगों की पहली पसंद आते हैं।




### मिलेनियल्स और त्रद्दई सबसे आगे

विदेशी ब्रांड, खासतौर से अमेरिकी, को देश में आगे बढ़ाने के लिए मिलेनियल्स और त्रद्दत्र पीढ़ी के युवा काफी आगे हैं। साल 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए लोगों को त्रद्दई कहा जाता है। वहीं साल 1981 से 1996 के बीच पैदा हुए लोगों को मिलेनियल्स कहा जाता है। स्टारबक्स के कैफे से लेकर मैकडॉनल्ड्स तक में आपको मिलेनियल्स और जेनजी युवाओं की संख्या काफी ज्यादा मिलेगी। वहीं फैशन में भी ये ही पीढ़ी काफी आगे हैं। इस पीढ़ी के युवा ब्रांड पर पैसा खर्च करने में कतराते नहीं हैं। आईफोन भी इन दोनों पीढ़ी के युवाओं पर ज्यादा मिलेंगे।

### कैसा है अमेरिकी कंपनियों का भारत में कारोबार?

अमेरिकी टैरिफ के बाद भी भारत में काम कर रहीं अमेरिकी कंपनियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। बल्कि ये कंपनियां भारत में लगातार निवेश कर रही हैं और अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। कुछ कंपनियों का भारत में कारोबार इस प्रकार है

#### 1. एप्पल

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में अपना कारोबार काफी तेजी से बढ़ा रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में एप्पल ने भारत से 1.08 लाख करोड़ रुपये (12.8 अरब डॉलर) के आईफोन निर्यात किए, जो साल-दर-साल 42 प्रतिशत की वृद्धि है। दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन कर्नाटक के देवनहल्ली प्लांट में 2.56 अरब डॉलर का निवेश कर रही है।

#### 2. ई-कॉमर्स

भारत में अमेजन और फ्लिपकार्ट दोनों कंपनियां खूब कारोबार कर रही हैं। ये कंपनियों सिर्फ डिलीवरी में ही नहीं, बल्कि लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

# गावस्कर पूरे इंडिया को हिला देता

## पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलने पर पूर्व खिलाड़ी सचिन-बीसीसीआई पर भड़का

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलने पर नाराजगी जताई है। भारत के 2025 में इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट सीरीज का नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी कर दिया गया। घावरी ने मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर नाम बदलने से न रोकने के लिए निशाना साधा है।

घावरी ने यह भी कहा है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का नाम बदला जाए तो दिग्गज सुनील गावस्कर पूरे भारत को हिलाकर रख देते। 2007 की सीरीज के दौरान भारत के पहले टेस्ट मैच के 75 वर्षों के उपलक्ष्य पर ईसीबी ने दोनों देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान (टाइगर) पटौदी के नाम पर ट्रॉफी का नाम रखा था।

### ईसीबी ने बदला ट्रॉफी का नाम

टाइगर को भारत के सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 46 मैचों में से 40 में नेतृत्व किया था। हालांकि, नाम और ट्रॉफी ईसीबी के विवेकाधिकार में आने के कारण बोर्ड ने इस वर्ष की शुरुआत में सीरीज का नाम बदलने का फैसला किया।पटौदी के नाम की जगह तेंदुलकर और इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को यह सम्मान दिया गया।

### घावरी ने बीसीसीआई और सचिन तेंदुलकर पर निशाना साधा

विक्की लालवानी के साथ एक यूट्यूब शो में बात करते हुए घावरी ने बीसीसीआई और सचिन तेंदुलकर पर निशाना साधा। शुभमन गिल की अगुआई में नई भारतीय टेस्ट टीम तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी खेली और बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के साथ रोमांचक पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से बराबरी कर ली। घावरी ने कहा, यह बिल्कुल गलत है। पहली बात ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज सीरीज को हमेशा फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी कहा जाता है। भारत-ऑस्ट्रेलिया ट्रॉफी को हमेशा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी कहा जाता है।

### सचिन को मना कर देना चाहिए था

घावरी ने कहा, बीसीसीआई को एमसीसी और ईसीबी के सामने अपनी बात रखनी चाहिए थी।टाइगर का नाम नहीं हटाया जाना चाहिए था।इसी संदर्भ में जब सचिन तेंदुलकर की बात आई कि इस ट्रॉफी को बदला जाएगा और इसका नाम आपके और एंडरसन के नाम पर रखा जाएगा तो सचिन को मना कर देना चाहिए था।आपत्ति की बात अलग है।

# वर्ल्ड चैंपियन त्रिमूर्ति की सेवाएं ले

## ब्रायन लारा का वेस्टइंडीज क्रिकेट को सुझाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वेस्टइंडीज क्रिकेट को संकट से उबराने के लिए महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने क्रिकेट वेस्टइंडीज से अपील की है कि वह्व पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल, ड्वेन ब्रावो और कीरोन पोलार्ड को टीम से जोड़े। इससे मौजूदा पीढ़ी के खिलाड़ियों का स्तर ऊंचा उठाया जा सके। तीनों खिलाड़ी वेस्टइंडीज के टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम का हिस्सा रहे। गेल और ब्रावो 2012 और 2016 दोनों बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। पोलार्ड 2012 वाली टीम का हिस्सा थे।

लारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की करारी हार के बाद सीडब्ल्यूआई कॉन्फ्रेंस की समाप्ति के बाद कहा,वेस्टइंडीज क्रिकेट के भविष्य में योगदान देने के लिए मौका मिलना सम्मान की बात है, खासकर ऐसे महत्वपूर्ण समय में। मैं अपनी ओर से जो भी जानकारी या सहायता प्रदान कर सकता हूं, उसे हल्के में नहीं लेता। सेवा करने का अवसर मुझे पूरे दिल से स्वीकार है और मैं इस कार्य के प्रति समर्पित हूं।

### ब्रायन लारा ने क्या कहा?

लारा ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि वेस्टइंडीज अधिक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण अपनाए। उन्होंने कहा कि दिक्कत सिर्फ मैदान पर रणनीति और तकनीक तक ही सीमित नहीं है। लारा ने इंस्टग्राम पर लिखा, हमें यह समझना होगा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट के सामने आने वाली चुनौतियां मैदान पर खराब प्रदर्शन से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। ये चुनौतियां पिछले दो दशकों में हुए सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और संरचनात्मक बदलावों में गहराई से जुड़ी हैं। अगर इस गिरावट को उलटना है तो हमें व्यापक अनुभव और वर्तमान समय के दृष्टिकोण का लाभ उठाने की कोशिश करनी होगी।

### गेल, ब्रावो और पोलार्ड का दृष्टिकोण अमूल्य

लारा ने कहा कि आधुनिक समय के दिग्गज खिलाड़ी गेल, ब्रावो और पोलार्ड युवा पीढ़ी को बेहतर समझते हैं और यह 'त्रिमूर्ति' संचार में सुधार ला सकती है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि क्रिस गेल, ड्वेन ब्रावो और कीरोन पोलार्ड जैसे पूर्व खिलाड़ियों का दृष्टिकोण अमूल्य साबित हो सकता है। ये खिलाड़ी न केवल शीर्ष स्तर पर खेले हैं, बल्कि उन्होंने ऐसा उस युग में किया है जो आधुनिक एथलीट की मानसिकता, महत्वाकांक्षाओं और प्रेरणाओं को दर्शाता है।

### कदम उठान का समय

लारा ने कहा, आज के खिलाड़ियों के साथ उनकी निकटता पीढ़ीगत सामंजस्य और साझा ड्रेसिंग रूम के संदर्भ में उन्हें इस बात की प्रामाणिक समझ देती है कि आधुनिक वेस्टइंडीज के क्रिकेटर को क्या प्रेरित करता है, क्या विचलित करता है, या क्या भ्रमित करता है।अब कदम उठान का समय है, लेकिन हमें मिलकर काम करना होगा।

**चेसः**

# सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में गुकेश संयुक्त छठे स्थान पर

## आरोनियन को खिताब

**सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी।** पहला गेम आरोनियन से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने अमेरिका के शैंकलैंड, वेसली सो और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया, लेकिन फिर लय कायम नहीं रख सके।

विश्व चैम्पियन ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सेंट लुई रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज में संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के लेवोन आरोनियन ने खिताब जीता। गुकेश ने आखिरी दिन वापसी की उम्मीद जताई और पहले चार गेम में 3.5 अंक बनाए। पहला गेम आरोनियन से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने अमेरिका के शैंकलैंड, वेसली सो और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया, लेकिन फिर लय कायम नहीं रख सके। आखिरी पांच गेम में उन्होंने तीन ड्रॉ खेले और दो गंवाये जिससे कुल 18 अंक लेकर अपने अभियान का समापन किया।आरोनियन ने दो राउंड बाकी रहते ही 24.5 अंक लेकर खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के फेबियानो कारूआना 21.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव तीसरे स्थान पर रहे। अब्दुसत्तोरोव 20.5 अंक के साथ चौथे और वेसली सो पांचवें स्थान पर रहे। गुकेश और वियतनाम के लियेम ली कुआंग उनसे पीछे रहे। आरोनियन को जीत के साथ 40000 डॉलर मिले। गुकेश अब सिनक्यूफील्ड कप खेलेंगे जो दो दिन बाद शुरू होगा जिसमें आर प्रज्ञानानंदा भी हिस्सा लेंगे।

# प्रणेश ने चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स में चैलेंजर्स खिताब जीता

## कीमर ने जीत के साथ किया समापन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय ग्रैंडमास्टर एम प्रणेश ने अंतिम दौर में असफलता के बावजूद शुक्रवार को क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता जबकि मास्टर्स वर्ग में अपना खिताब पहले ही सुनिश्चित कर चुके विंसेंट कीमर ने रे रॉबिनसन पर आसान जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। भारतीय ग्रैंडमास्टर एम प्रणेश ने अंतिम दौर में असफलता के बावजूद शुक्रवार को क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता जबकि मास्टर्स वर्ग में अपना खिताब पहले ही सुनिश्चित कर चुके विंसेंट कीमर ने रे रॉबिनसन पर आसान जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। कीमर को इस जीत से 25 लाख रुपये की इनामी राशि मिली। उन्होंने गुरुवार को ही खिताब अपने नाम पर पक्का कर दिया था इसलिए सभी का ध्यान चैलेंजर्स वर्ग पर लगा था। इस वर्ग में नाटकीय उतार-चढ़ाव देखने को मिले, जहां पा इनियन ने अभिमन्यु पुराणिक को जबकि अधिबान भास्करन ने लियोन ल्यूक मेंडोंका को हराया। लियोन तथा अभिमन्यु दूसरे स्थान पर रहे। दीप्तायन घोष और आर्यन चोपड़ा ने भी क्रमशः वैशाली रमेशबाबू और द्रोणवल्ली हरिका को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रणेश (6.5 अंक) अंतिम दौर में जीबी हर्षवर्धन से हार गए लेकिन खिताब जीतने में सफल रहे जिसके लिए उन्हें सात लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिली। मास्टर्स वर्ग में अर्जुन एरिगैसी ने कार्तिकेयन मुरली और अनीश गिरी के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।

# पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बॉब सिम्पसन का निधन

## स्टीव वॉ किया उनके योगदान को याद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन का शनिवार को निधन हो गया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज स्टीव वॉ ने अपने करियर और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बॉब सिम्पसन के योगदान की प्रशंसा की। स्टीव वॉ ने इंस्टाग्राम पर लिखा, बॉब सिम्पसन से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को किसी ने नहीं दिया। कोच, खिलाड़ी, कमेंटेटर, लेखक, चयनकर्ता, मार्गदर्शक और पत्रकार के तौर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के उत्थान और टीम को सर्वश्रेष्ठ बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। वॉ ने लिखा कि वह खेल के अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाने की इच्छा रखने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट कोच थे। उन्होंने मुझे एक बेहतर खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को महान बनाया। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच शनिवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच से पहले उन्हें मौन रहकर श्रद्धांजलि दी जाएगी। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने हाथ पर काली पट्टी भी बांधेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक बॉब सिम्पसन का निधन 89 साल की उम्र में शनिवार को सिडनी में हो गया। बॉब सिम्पसन ने 1957 से लेकर 1978 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 62 टेस्ट और 2 वनडे मैच खेले। टेस्ट मैचों में 10 शतक और 27 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 4,869 रन बनाए। उनके नाम तिहरा शतक लगाने की उपलब्धि है। उनका सर्वाधिक स्कोर 311 था। इसके अलावा 71 विकेट भी उन्होंने लिए थे। वहीं, वनडे में उन्होंने 36 रन बनाए थे और 2 विकेट लिए थे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बॉब का रिकॉर्ड असाधारण है। 257 प्रथम श्रेणी मैचों में 60 शतक और 100 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 21,029 रन बनाए थे।

**महिला डीपीएलः**

# रविवार को पहले मुकाबले में गत विजेता नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स का सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिला दिल्ली प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण 17 से 24 अगस्त तक अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस बार चार टीमें हिस्सा ले रही हैं - साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स और सेंट्रल दिल्ली क्वींस। एक हफ्ते तक ये टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 17 अगस्त को पिछले साल की चैंपियन टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स और उपविजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बीच होने वाले रोमांचक मुकाबले से होगी। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की कप्तान आयुषी सोनी ने कहा, हम आने वाले समय के लिए पूरी तरह तैयार और उत्साहित हैं। यह लीग शहर में क्रिकेट के लिए एक बड़ा कदम है, और इसके लिए हम डीडीसीए के बहुत आभारी हैं। यह सिर्फ़ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि खेल का एक उत्सव है जो खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा और प्रशंसकों का मनोरंजन करेगा। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की कप्तान श्वेता सहरावत ने कहा, हम बेसब्री से लीग की शुरुआत का इंतज़ार कर रहे हैं। माहौल बेहद जोशीला है और इसके लिए हम डीडीसीए के आभारी हैं। उन्होंने

उभरती प्रतिभाओं के लिए एक शानदार मंच तैयार किया है और हम सभी को किसी खास चीज़ का हिस्सा बनने का मौका दिया है। ईस्ट दिल्ली राइडर्स की कप्तान प्रिया पूनिया ने खुशी जताते हुए कहा, हम सब इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस लीग को हकीकत में बदलने के लिए डीडीसीए की दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत के लिए हम उनके प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त करते हैं। डीडीसीए ने खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका दिया है। सेंट्रल दिल्ली क्वींस की कप्तान सोनी यादव ने कहा, यह प्रतियोगिता प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन होगी। हम डीडीसीए के प्रयासों की सराहना करते हैं और इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। 24 अगस्त को लीग चरण की शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी और विजेता का फैसला होगा।

# ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज में मचाया तहलका, पाकिस्तानी गेंदबाजों की खूब की पिटाई, ठोके 14 चौके-छक्के

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ने कैरेबियाई धरती पर पाकिस्तान के गेंदबाजों की पिटाई करते हुए अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी. इस खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप के साथ शतकीय साझेदारी निभाकर 16 गेंद रहते टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की. इन दोनों बल्लेबाजों ने केवल 59 गेंदों में 114 रनों की पार्टनरशिप करके सीपीएल 2025 के दूसरे मुकाबले को बिल्कुल एकतरफा कर दिया. इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज बेन मैक्डरमट ने 10 चौके और चार छक्के जड़ते हुए शानदार फिफ्टी ठोक दी. वेस्टइंडीज के कप्तान ने भी नाबाद फिफ्टी ठोकते हुए इस लीग में शानदार शुरुआत की.

**बेन मैक्डरमट ने गयाना को दिलाई जीत** - सीपीएल 2025 का दूसरा मुकाबला सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स और गयाना अमेजॉन वॉरियर्स के बीच खेला गया. इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुएसेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 153 रन बनाए. टीम की ओर से आंद्रे फ्लेचर ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंद पर 60 रन बनाए. फ्लेचर ने अपनी इस पारी के दौरान एक चौका और पांच छक्के लगाए. उनके अलावा युवा खिलाड़ी ज्येड गूली ने 24 रन का योगदान. अमेजॉन वॉरियर्स की ओर से ऑलराउंडर ड्वेन प्रीटोरियस ने चार ओवर में 43 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि इमरान ताहिर ने दो विकेट अपने नाम किए. 153 रनों के इस लक्ष्य को बेन मैक्डरमट ने काफी छोटा बना दिया और टीम को पांच विकेट से जीत दिला दी.

**बेन मैक्डरमट ने वेस्टइंडीज में मचाया तहलका** - लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेजॉन वॉरियर्स का पहला विकेट जल्द गिर गया था, लेकिन उसके बाद बेन मैक्डरमट ने शे होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी की. मैक्डरमट ने इस साझेदारी के दौरान 39 गेंद पर 75 रन की तूफानी पारी खेली. उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान अमेजॉन वॉरियर्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी के खिलाफ तगड़ा प्रहार किया. अपनी इस पारी के दौरान धाकड़ बल्लेबाज ने पाकिस्तान के अब्बास अफरीदी के एक ही ओवर में 21 रन बनाए. इसके अलावा उन्होंने नसीम शाह की भी खूब पिटाई की. बेन मैक्डरमट के अलावा शे होप ने 56 रन की नॉटआउट पारी खेली. उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान पांच चौके और दो छक्के लगाए. उन्होंने बेन मैक्डरमट का काफी अच्छा साथ निभाया. मैक्डरमट के विकेट गिरने के बाद भी होप ने एक छोर को अच्छी तरह से संभाला और 16 गेंद रहते हुए इस मैच को अपनी टीम को जिता दिया ।

# आयरलैंड के खिलाफ फील्ड पर उतरते ही जैकब बेथेल तोड़ेंगे 136 साल पुराना रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए हैरी ब्रूक कप्तान हैं। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए जैकब बेथेल को कप्तान बनाकर इंग्लैंड ने उन्हें इतिहास रचने का मौका दिया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज होनी है। इस सीरीज के लिए इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टीम की कमान 21 साल के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल को सौंपी है। बेथेल 17 सितंबर को जब आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 के लिए फील्ड पर उतरेंगे, तो इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बन जाएंगे।

इंग्लैंड के युवा कप्तान के रूप में जैकब बेथेल मोंटी बोडेन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। मोंटी बोडेन को 1889 में एकमात्र टेस्ट के लिए इंग्लैंड का कप्तान

बनाया गया था। उस समय उनकी उम्र 23 साल थी। 21 साल के बेथेल उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार हैं। मोंटी बोडेन ने इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट खेले और 2 पारियों में 25 रन बनाए। वह सरे की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते थे और 86 प्रथम श्रेणी मैचों की 132 पारियों में 2,316 रन बनाए। इस दौरान 3 शतक और 7 अर्धशतक उन्होंने लगाए। सर्वाधिक स्कोर नाबाद 189 था। इसके अलावा 2 विकेट भी उन्होंने लिए थे। बात अगर जैकब बेथेल की करें, तो उन्हें इंग्लैंड क्रिकेट का भविष्य माना जाता है। वह तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। बेथेल बैटिंग ऑलराउंडर हैं और बाएं हाथ से बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं।

चार टेस्ट मैचों में 271 रन और 3 विकेट, 12 वनडे में 317 रन और 7 विकेट, और 13 टी20 में 281 रन और 4 विकेट जैकब बेथेल के नाम दर्ज हैं।

# प्रीमियर लीगः लिवरपूल का प्रीमियर लीग में जीत के साथ आगाज, दिवंगत फुटबॉलर जोटा को दी श्रद्धांजलि

**लंदन, एजेंसी।** लिवरपूल के खिलाड़ियों ने मैदान पर घेरा बनाया, जबकि दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ ने बांह पर काली पट्टी बांधी थी। आखिरी सीटी बजने के बाद सालाह अपने आंसू नहीं रोक सके। गत चैम्पियन लिवरपूल ने जज्बात से भरे मुकाबले में बूर्नमाउथ को 4-2 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में जीत के साथ आगाज करके डियोगो जोटा को श्रद्धांजलि दी, जबकि इस मैच में एक खिलाड़ी नस्लीय टिप्पणी का भी शिकार हुआ। दो गोल की बढ़त गंवाने के बाद लिवरपूल के लिए 88वें मिनटमें फेडरिको चिएसा और स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। इससे पहले हुगो एकिटिके और कोडी गाकपो ने लिवरपूल को 2-0 से बढ़त दिलाई थी। मैच 28वें मिनट में कुछ देर के लिए रुका जब बूर्नमाउथ के फॉरवर्ड अंतोइने सेमेन्यो ने रैफरी एंथोनी टेलर से शिकायत की कि एक दर्शक ने उन पर नस्लीय टिप्पणी की है। टीम के मैनेजर ने कहा कि टिप्पणी करने वाले को पहचान लिया गया है। घाना के 25 वर्ष के सेमेन्यो को उनके साथी खिलाड़ियों ने ढांढस बंधाया। सेमेन्यो ने 64वें और 76वें मिनट में गोल करके लिवरपूल की बढत उतार दी थी। पिछले पांच साल में लिवरपूल के लोकप्रिय खिलाड़ियों में शुमार जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की तीन जुलाई को एक कार हादसे में मौत के बाद टीम का यह पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

## 'सैयारा' में कम स्क्रीन प्रेजेंस पर शाद रंधावा ने दिया रिएक्शन

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा में एक्टर शाद रंधावा ने रॉकस्टार प्रिंस का किरदार निभाया है। वह मोहित सूरी की लगभग हर फिल्म में नजर आते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान शाद ने मोहित सूरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

**फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस भले ही कम है, लेकिन आपका किरदार बेहद दमदार है। इसके लिए आपने क्या तैयारी की?**

मैं पहले से ही कुछ अलग करने की कोशिश कर रहा था। उसी दौरान निर्देशक मोहित सूरी ने मेरी मेहनत और लगन को नोटिस किया। शायद उन्होंने मेरी कुछ तस्वीरें यशराज फिल्म्स की कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा जी को भेजीं। इसके बाद शानू जी का मेरे पास कॉल आया और उन्होंने मुझे इस रोल के बारे में बताया। इसके बाद हमने वर्कशॉप्स कीं, किरदार को समझा और उसके लिए तैयारी की। जब सबको लगा कि मैं इस किरदार के लिए ठीक हूं, तब जाकर मुझे यह रोल मिला। इस किरदार से जुड़ी एक दिलचस्प बात यह थी कि हम अलग-अलग लुक्स ट्राय कर रहे थे। एक समय ऐसा भी आया जब हमने 'रॉकस्टार' जैसी लंबे बालों वाली स्टाइल पर विचार किया। लेकिन जब हम मेकअप रूम में उस लुक की टेस्टिंग कर रहे थे, तभी मोहित सर आए और बोले कि यह लुक जम नहीं रहा। फिर हमने कॉर्नर हेयरस्टाइल ट्राय की और वो सबको पसंद आ गई। अंत में वही लुक फाइनल हुआ।

**क्या आपने मोहित सूरी से कभी कहा कि फिल्म सैयारा में आपकी स्क्रीन प्रेजेंस और ज्यादा होनी चाहिए थी?**

देखिए, इस तरह की बातें तो अक्सर हर एक्टर और डायरेक्टर के बीच होती रहती हैं। हर एक्टर को लगता है कि उसका रोल थोड़ा और बड़ा होना चाहिए था। कभी लगता है कि कोई सीन कट कर दिया गया जो फिल्म में रह सकता था। मैं मोहित सूरी का दोस्त हूं, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं इसलिए कुछ नहीं कहता। ये बातें हर एक्टर के मन में होती हैं और डायरेक्टर से शेयर भी की जाती हैं। मगर एक पॉजिटिव तरीके से बिना किसी झगड़े के। असल में, सेट पर भले ही कुछ मतभेद हो जाएं, लेकिन जैसे ही हम सेट से बाहर आते हैं, सारी शिकायतें भूलकर फिर से दोस्त बन जाते हैं।

## 'एक चतुर नार' बनीं दिव्या खोसला की चालाकी में फंसेंगे नील

दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश की आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' का टाइटल और फर्स्ट लुक आज जारी किया गया है। टाइटल और मोशन पोस्टर से फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा मालूम पड़ता है। फिल्म के पहले लुक के सामने आने के बाद अब दर्शक फिल्म को लेकर उत्साहित हैं।

### सब्जी काटती नजर आई दिव्या

मेकर्स ने फिल्म के दो मोशन पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश एक टेबल के पास खड़े हैं। टेबल पर टमाटर और शिमला मिर्च समेत कुछ सब्जियां रखी हुई हैं। दिव्या गाजर को चाकू से काटते हुए कैमरे की तरफ चालाकी भरी नजरों से देख रही हैं। बगल में नील नितिन मुकेश थ्री पीस पहने हाथों में बंदूक लिए खड़े हैं। इस मोशन पोस्टर में पीछे कैलाश खेर की आवाज में कुछ लाइन्स भी फिल्म के टाइटल से जुड़ी सुनाई दे रही हैं।

एक दूसरा पोस्टर जारी किया गया है। इसमें दिव्या खोसला आंखों में काला चश्मा लगाए दिख रही हैं। जबकि उनकी चोटी नागिन के शेप में मुंह फैलाए हुए है

और उस पर एक फ्लिप वाले फोन में नील नितिन मुकेश घबराए हुए नजर आ रहे हैं। इस मोशन पोस्टर में भी पीछे गाने की कुछ लाइन्स सुनाई दे रही हैं। 12 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नील और दिव्या एक दम अलग अवतार में दिखाई देंगे। टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने निर्देशित किया है। 'एक चतुर नार' 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

## फ्रेंचाइजी फिल्मों में काम करने पर खुद को लकी मानते हैं रितेश

अभिनेता रितेश देशमुख पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग जॉनर की कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, रितेश अपने करियर में कुछ एक फ्रेंचाइजी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं, जो उनके करियर में हिट फिल्में लेकर आया है। इसमें 'हाउसफुल' और 'मस्ती' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। वो एक बार फिर 'मस्ती' के चौथे पार्ट में भी नजर आने वाले हैं। अब इन फ्रेंचाइजी फिल्मों को लेकर बात करते हुए अभिनेता ने इन्हें अपने लिए भाग्यशाली बताया है।

अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने करियर में फ्रेंचाइजी फिल्मों में काम करने को लेकर बात की। अभिनेता ने कहा कि मुझे लगता है कि हर अभिनेता को भाग्यशाली महसूस करना चाहिए अगर वे किसी फ्रैंचाइजी का हिस्सा हैं या किसी का दूसरा भाग बना है। आप जानते हैं कि वर्तमान में मैं शायद 4 फिल्में कर रहा हूं। मैं उन फिल्मों का हिस्सा बनकर बेहद खुशकिस्मत महसूस करता हूं जिन्हें लोग शायद इतना पसंद करते हैं कि हम तीसरा और चौथा भाग बना पा रहे हैं। यह सब दर्शकों की बदौलत है। हालांकि, फिल्मों के लगातार सीक्वल बनने और उनके स्वाभाविक रूप से बंद हो जाने के सवाल पर रितेश का कहना है कि थकान दर्शकों पर या दर्शकों की थकान पर निर्भर करेगी और साथ ही ये किश्तें लंबे गैप पर आ रही हैं। ये पांच साल और यहां तक कि दस साल के गैप पर भी आ रही हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि वे हर महीने वापस आ रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रितेश देशमुख आखिरी बार फ्रेंचाइजी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आए थे। इसके अलावा आने वाले वक्त में भी वो दो फ्रेंचाइजी फिल्मों 'मस्ती 4' और 'धमाल 4' में नजर आएंगे। इसके अलावा वो मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' में भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन भी खुद रितेश देशमुख कर रहे हैं।

## ईशा कोप्पिकर अपनी अगली फिल्म रॉकेटशिप में निभा रही हैं एक स्नेही माँ का किरदार

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट रॉकेटशिप में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है।

ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस वक्त साफ़ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूँ क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ ज़ीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूँ, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है। आज रॉकेटशिप का पहला पोस्टर जारी किया गया, जो यह दर्शाता है कि यह फिल्म एक भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी जैसी दर्शकों ने पहले शायद ही कभी देखी हो। फिल्म में माँ-बेटी के रिश्ते को केंद्र में रखा गया है, और ईशा कोप्पिकर का किरदार विशेष रूप से दर्शकों की भावनाओं को झकझोरने के लिए गढ़ा गया है। यह फिल्म व्हिसलिंग वुड्स के छात्रों की अकादमिक यात्रा का एक समापन प्रोजेक्ट है, और एक प्रतिष्ठित अभिनेत्री जैसे ईशा की भागीदारी इस प्रोडक्शन को ऊँचाई प्रदान करती है, साथ ही छात्रों को इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव भी मिल रहा है। उनका इस शैक्षिक पहल का हिस्सा बनना यह दर्शाता है कि वे मेंटरशिप और व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को भलीभांति समझती हैं, जो आने वाली पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों के विकास के लिए बेहद आवश्यक है। ईशा की यह भागीदारी सिर्फ एक अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक खूबसूरत सहयोग का प्रतीक है—जहां उनका अनुभव युवा दिमागों को दिशा देता है और युवाओं की नई सोच व नवाचार उनके खुद के रचनात्मक सफर को भी प्रेरित करती है। स्थापित और उभरती प्रतिभाओं के इस मेल से एक ऐसा सीखने का माहौल बनता है जहाँ पारंपरिक फिल्म निर्माण की समझ और आधुनिक कहानी कहने की तकनीकें एक-दूसरे को समृद्ध करती हैं।

## अनिल शर्मा का ऐलान, जल्द आएगी गदर 3

सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत फिल्म गदर-2 को रिलीज हुए दो साल पूरे हो चुके हैं। अब इसके निर्देशक अनिल शर्मा ने आगे की योजनाओं पर अपनी बात साझा की। अनिल शर्मा ने बातचीत में इसके सीक्वल की सबसे खास बात बताई और साथ ही आगे आने वाले गदर 3 की योजना भी साझा की। अनिल शर्मा ने बताया कि गदर 2 की सबसे अच्छी बात यह रही कि पहले भाग में बच्चे दिखे उत्कर्ष शर्मा बड़े होकर उसी भूमिका में नजर आए। उन्होंने कहा, शायद ऐसा पहली बार है कि एक बच्चे का किरदार निभाने वाला कलाकार बड़ा होकर उसी भूमिका को दोबारा निभा रहा है।

फिल्म बनाते समय सबसे बड़ी चुनौती कहानी को पहले भाग से आगे बढ़ाना था। अनिल शर्मा ने कहा, हमें कहानी को आगे ले जाने के लिए काफी समय सोचना पड़ा। जब कहानी सही ढंग से बनी, तो इंतजार वाकई सफल साबित हुआ।

फिल्म निर्देशक से पूछा गया कि क्या गदर की सफलता ने उनकी उम्मीदें गदर 2 के लिए बढ़ा दी थीं? उन्होंने बताया, गदर दर्शकों के दिलों में बस गई थी।

पिछले बीस सालों से हर कोई मुझसे पूछता रहा कि मैंने गदर 2 क्यों नहीं बनाई। मुझे पता था कि लोगों को इन किरदारों से बहुत प्यार है। मुझे फिल्म की सफलता पर पूरा भरोसा था। असल में, मैंने रिलीज से पहले ही कहा था कि यह फिल्म 500 करोड़ रुपए कमाएगी। शुक्र है कि भगवान ने मेरी बात सुन ली। अनिल शर्मा ने कहा, फिल्म के किरदारों से जुड़ी मोहब्बत ही इसे एक विरासत बनाती है। उन्होंने बताया, गदर 3 पर काम शुरू हो चुका है। कहानी जारी रहेगी क्योंकि दर्शकों के दिलों में यह कहानी और किरदारों की खास जगह बनी हुई है।

## रजनीकांत से लेकर श्रुति हासन तक, साउथ के इन कलाकारों ने बॉलीवुड में जमाई धाक

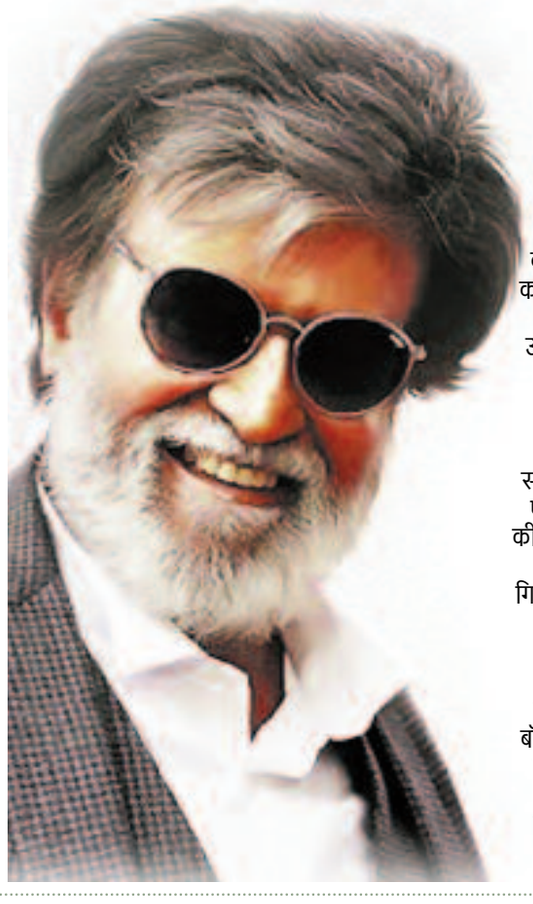

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कभी हॉलीवुड तो कभी साउथ के कलाकारों ने काम किया है। साउथ के कई कलाकारों ने साउथ की फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की तो उन्होंने बॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया है। आज हम साउथ के उन कलाकारों के बारे में जानेंगे जिन्हें बॉलीवुड के दर्शकों ने खूब प्यार दिया।

### राजनीकांत

साउथ के जिस अभिनेता को बॉलीवुड में सबसे ज्यादा प्यार मिला वह रजनीकांत हैं। साउथ में उन्हें भगवान की तरह माना जाता है। हालांकि बॉलीवुड में भी उनका योगदान कुछ कम नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड में गिरफ्तार, चालबाज, हम और बुलंदी जैसी फिल्में कीं। इसके लिए उनकी खूब सराहना हुई।

### कमल हासन

कमल हासन साउथ के दिग्गज कलाकार हैं। उन्होंने बॉलीवुड में सदमा, सागर और चाची 420 में अभिनय किया है। बॉलीवुड में उनके अभिनय को खूब सराहा गया है। बॉलीवुड में शोहरत के मामले में वह रजनीकांत से कम नहीं हैं। उन्होंने 4 नेशनल अवॉर्ड और 19 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते हैं।

### श्रुति हासन

पिता कमल हासन की तरह श्रुति हासन ने साउथ में खूब नाम कमाया है। बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्मों से उन्होंने अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी है। उन्होंने रमैया वस्तावैया में बेहतरीन अदाकारी की। इसके अलावा अक्षय कुमार के साथ गब्बर फिल्म की। बॉलीवुड के दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है।

### आर माधवन

आर माधवन ने न सिर्फ अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया बल्कि वह हर किरदार में आसानी से ढल गए। फिल्म रहना है तेरे दिल में से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली। साला खडूस में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। बॉलीवुड में उन्होंने रंग दे बसंती, 3 इडियट्स और तनु वेड्स मनु में अच्छा काम किया है।

### धनुष

साउथ के सुपरस्टार धनुष ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्म रांझणा से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने बॉलीवुड को दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म शमिताभ में बेहतरीन अदाकारी की। उनका गाना कोलावेरी डी भी काफी लोकप्रिय हुआ।

### असिन

बॉलीवुड में आने से पहले ही असिन साउथ में काफी मशहूर हो चुकी थीं। उन्होंने तमिल और तेलुगु में कई कामयाब फिल्में कीं। उन्होंने बॉलीवुड में आमिर खान के साथ फिल्म गजनी में काम किया। इसके बाद उन्होंने सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन के साथ काम किया।

### सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने बॉलीवुड में ज्यादा फिल्में नहीं कीं हैं लेकिन फिल्म रंग दे बसंती में उन्होंने बेहतरीन किरदार निभाया है। बताया जाता है कि उन्हें बॉलीवुड से कई ऑफर मिले लेकिन उन्होंने कई ऑफर स्वीकार नहीं किए। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ शादी को लेकर वह सुर्खियों में रहे।

### तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया साउथ की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने बाहुबली से खूब नाम कमाया। बॉलीवुड में उनकी एंट्री बहुत खास नहीं रही। उन्होंने चांद सा रौशन चेहरा और हिम्मतवाला में अभिनय किया। बॉलीवुड में उनके आइटम गानों आज की रात और नशा को खूब पसंद किया गया।